



अमेरिका के विदेश सचिव रूबियो ने ढूँढ कर एस. जयशंकर से मुलाकात की और बहुत मीठी-मीठी बातें कीं

—सुकुमार साह—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। कुछ दिन पहले 48 वें आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान कुआलालंपुर में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से हुई मुलाकात ने कूटनीतिक हलकों से कहीं आगे तक ध्यान खींचा है। यह भेंट भले ही एक शिष्टाचार भेंट प्रतीत होती है, लेकिन इसके पीछे यह गहरा संदेश छिपा है कि डॉनल्ड ट्रंप की तीखी बयानबाजी और टैरिफ की धमकियों के बावजूद, वाशिंगटन नई दिल्ली को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में महत्व देता है। भारत के लिए, यह मुलाकात इरादों की परीक्षा थी: क्या ट्रंप का अमेरिका अब भी एक विश्वसनीय मित्र है, या फिर हितों को तोलने वाला लेन-देन आधारित साझेदार?

एक प्रमुख रिपब्लिकन नेता और ट्रंप के सबसे करीबी सीनेट सहयोगियों में से एक, रूबियो, चीन के खिलाफ सख्त रुख और इण्डो-पैसिफिक साझेदारी को मजबूत करने के समर्थक रहे हैं। जयशंकर के साथ उनकी यह भेंट, शांत कूटनीति, ट्रंप की आक्रामक शैली और संस्थागत स्थिरता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश थी। भारत के लिए द्विदलीय समर्थन को रेखांकित करके, रूबियो का उद्देश्य था, इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका द्वारा भारतीय

रूबियो के इस प्रयास से भारत का विदेश मंत्रालय अचंभित, पर खुश भी है

- रूबियो ने अपनी मीठी बातों से ट्रंप की तल्लिखों को बैलेंस करने का प्रयास किया।
- भारत में यह धारणा जोर पकड़ती जा रही थी कि ट्रंप भारत से संबंधों को तत्कालिक आर्थिक लाभ के चश्मे से देखते हैं, न कि दीर्घकालीन स्थाई आर्थिक लाभ दृष्टि से।
- कुछ समय पूर्व तक 65 प्रतिशत भारतीय जनता अमेरिका से मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहती थी जो 2023 में 50 प्रतिशत रह गई।
- भारत का विदेश मंत्रालय रूबियो के प्रयास से इसलिए भी प्रसन्न है, क्योंकि इस प्रयास से यह स्थापित हो गया कि वॉशिंगटन से भारत की मित्रता ऑटोमैटिक नहीं हैं, बल्कि यह रिश्ता भारत के आर्थिक हित व स्वायत्तता के आदर पर ही स्थापित हो सकता है।

इस्पात और दवा कंपनियों पर नए टैरिफ लगाए जाने के बाद नई दिल्ली के नीतिगत हलकों में उभरी आशंकाओं की शांत करना। समय महत्वपूर्ण था। भारत में जनता की भावना, जो कभी अमेरिका के प्रति अत्यधिक सकारात्मक थी, अब फिसलने लगी है। सर्वेक्षणों के अनुसार, 2023 में जहाँ 65 प्रतिशत भारतीय अमेरिका के प्रति सकारात्मक रुख रखते थे, वहीं 2025 के मध्य में यह आंकड़ा बमुश्किल 50 प्रतिशत रह गया और यह धारणा बढ़ती जा रही है कि वाशिंगटन का “अमेरिका फ्रस्ट” व्यापार एजेंडा

भारत जैसे साझेदारों को दरकिनार कर रहा है। व्यापक चिंता यह है कि ट्रंप 2.0 में अमेरिका अपने सहयोगियों को दीर्घकालिक रणनीतिक विश्वास के बजाय, मुख्य रूप से अल्पकालिक आर्थिक लाभ के नज़रिए से देख रहा है। इस प्रकार, रूबियो का हस्तक्षेप इसलिए भी अहम था, क्योंकि उन्होंने भारत-अमेरिका साझेदारी के स्तंभों-प्रौद्योगिकी सहयोग, रक्षा सहयोग और लोकतांत्रिक मूल्यों को दोहराया। उन्होंने कथित तौर पर सेमीकंडक्टर निवेश के विस्तार, संयुक्त रक्षा उत्पादन और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं पर

चर्चा की, जो ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग में चीन के विकल्प के रूप में उपरने की भारत की महत्वाकांक्षा के अनुरूप है। नई दिल्ली के लिए, ये प्रतिबद्धताएँ मायने रखती हैं: ये संकेत देती हैं कि अमेरिका के साथ संबंध सिर्फ एक बैलेंस-शीट गणना से कहीं बढ़कर हैं। फिर भी, ये प्रतीकात्मकता इस विषमता को छिपा नहीं सकती। हालाँकि अमेरिका अपनी हिंद-प्रशांत रणनीति में भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार मानता है, फिर भी उसने व्यापार बाधाओं, डेटा स्थानीयकरण और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्वदेशी सर्वेक्षण पोत नौसेना में शामिल होगा

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर। देश में ही निर्मित सर्वेक्षण पोत इक्षक को अगले महीने कोच्चि नौसैनिक बेस में नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। नौसेना के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि इस पोत को 6 नवम्बर को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में नौसेना में शामिल किया जायेगा। इक्षक नौसेना में शामिल किये जाने वाला अपनी श्रेणी का तीसरा पोत है और यह उन्नत, अत्याधुनिक प्लेटफार्मों के

- कोच्चि नौसेना बेस पर नौसेना प्रमुख की उपस्थिति में 6 नवम्बर को ‘इक्षक’ को बेड़े में शामिल किया जायेगा।

निर्माण के प्रति नौसेना की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। साथ ही इससे क्षमता संवर्धन और आत्मनिर्भरता की गति को आगे बढ़ाते हुए स्वदेशी जल सर्वेक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्टता में एक नया मार्ग प्रशस्त हुआ है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड, कोलकाता द्वारा निर्मित पोत इक्षक में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। यह पोत जीआरएसई और भारतीय एएसएसएमई के बीच सफल सहयोग का प्रमाण है, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना और शक्ति को गर्व से दर्शाता है। जल सर्वेक्षण कार्यों की प्राथमिक भूमिका के अलावा इसे दोहरी भूमिका (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘अगर जनरल लड़ाई छोड़ भागे तो सेना कब तक टिकी रह सकती है?’

प्रशांत किशोर की स्वयं चुनाव न लड़ने की घोषणा के बाद उनकी पार्टी साइड लाइन्ड सी हो गई है बिहार चुनावों में

- शायद यह भांपते हुए, प्रशांत किशोर ने यह टिप्पणी की है कि चुनाव के बाद या तो वे अर्श पे होंगे या फिर फर्श पर।
- कांग्रेस भी कुछ नाखुश सी लगती है, तभी पटना में मंगलवार को तेजस्वी यादव द्वारा जारी होने वाले महागठबंधन के घोषणा पत्र के समारोह में न तो राहुल गांधी होंगे और न ही मल्लिकार्जुन खड़गे।
- भाजपा भी कुछ मायूस सी है कि अब तक प्रधानमंत्री के पूरे शासनकाल में पार्टी अपने किसी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनवा सकी।
- भाजपा को आशा है कि इस बार उसकी इस आकांक्षा की पूर्ति होगी।

वेणुगोपाल पटना में है और उनके पार्टी का प्रतिनिधित्व करने की संभावना है। राहुल गांधी 28 अक्टूबर को तेजस्वी यादव के साथ बिहार में तीन जनसभाएँ करेंगे और उसके बाद प्रियंका गांधी के साथ राहुल की सभा के लिए कुछ और दिन निर्धारित किए गए हैं। चुनाव के बाद अगर महागठबंधन सत्ता में आता है, तो कांग्रेस का एक उपमुख्यमंत्री होगा, लेकिन इसकी घोषणा अभी नहीं की गई है। वे सहनी

को उपमुख्यमंत्री बनाने पर इसलिए सहमत हुए क्योंकि वे कम सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार थे। सहनी को वीआईपी पार्टी का कई इलाकों में अच्छा-खासा प्रभाव है और उनके गठबंधन में शामिल होने से महागठबंधन को फायदा होने की संभावना है। भाजपा ने मुख्यमंत्रियों, केन्द्रीय मंत्रियों और अन्य लोगों को बिहार में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आखिर बिहार चुनाव प्रचार से क्यों दूर हैं राहुल

राहुल ने आखिरी बार एक सितम्बर को बिहार में सभा की थी, उसके बाद से वे बिहार नहीं गए हैं

—श्रीनंद झा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। राहुल गांधी को बिहार में आखिरी बार 1 सितम्बर को देखा गया था, जब उन्होंने अपनी ‘वोटर अधिकार यात्रा’ की समापन रैली को संबोधित किया था। इसलिए सवाल यह उठता है कि आखिर क्या कारण है कि वे चुनावी राज्य बिहार में इतने लंबे समय से अनुपस्थित हैं? क्या उनका अनुपस्थित रहना महागठबंधन की इस रणनीति का हिस्सा है, कि राहुल बनाम मोदी का मुद्दा मुख्य रूप से सामने न आए? क्या इसका कारण यह है कि राहुल राज्य पार्टी नेतृत्व से नाखुश हैं, क्योंकि वह आरजेडी के साथ सीटों के बंटवारे पर दृढ़ता नहीं दिखा सका? या फिर क्या ऐसा इसलिए है कि

- यहाँ तक कि महागठबंधन का घोषणा पत्र मंगलवार को जारी किया जा रहा है, पर, उसमें भी राहुल उपस्थित नहीं हो रहे हैं।
- चर्चा है कि राहुल एक तो प्रदेश कांग्रेस के नेतृत्व से नाराज़ हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि पार्टी लालू यादव से सीटों के लिए सही तरीके से सौदेबाजी नहीं कर पाई।
- इसके अलावा तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी घोषित किए जाने के कारण, राहुल बिहार में दूसरे दर्जे की भूमिका निभाना नहीं चाहते हैं।

तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने के बाद, वह नहीं चाहते कि उन्हें आरजेडी नेता के सामने दूसरे नम्बर के नेता के रूप में देखा जाए?

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के कई अन्य नेता जल्द ही बिहार का दौरा करेंगे और 6 नवम्बर को प्रचार (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने छठ पूजा की शुभकामनायें दी

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देशवासियों को छठ पूजा के पहले अर्घ्य के मौके पर शुभकामनाएं दीं। मोदी ने इस अवसर पर अपने एक्स पोस्ट पर कविता पोडवाल द्वारा गाया हुआ

- उन्होंने कविता पोडवाल का छठी मैया का भक्ति गीत एक्स पोस्ट पर साझा किया।

छठी मैया को समर्पित भक्ति गीत भी साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने एक पोस्ट में लिखा, “देश भर के अपने परिवारजनों को महापर्व छठ के संध्या अर्घ्य की अनंत शुभकामनाएँ। इस पावन अवसर पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने की हमारी परंपरा बहुत विशिष्ट है। सूर्यदेव की कृपा से सबका कल्याण हो, सबको जीवन में सुख-संपदा और सफलता की प्राप्ति हो, यही कामना है। जय छठी मइया।”

—अंजन राॅय—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। कहा जा रहा है कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब हैं। इस समझौते के तहत, भारत से अमेरिका जाने वाले निर्यात पर लगाए गए “रेसिप्रोकल टैरिफ” हटाए जा सकते हैं।

रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर लगाए गए भेदभावपूर्ण शुल्क को भी इस दौर की व्यापार वार्ता में शामिल किया गया है और संभावना है कि इसे भी वापस लिया जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर एक विशेष दंडात्मक शुल्क लगाया था। उन्होंने रूस के साथ ऐसे तेल व्यापार में

- भारत ने भी मिडिल ईस्ट, लैटिन अमेरिकी कंपनियों से तेल खरीद शुरू कर दी, जिससे अमेरिका ने भारत पर लगाये रेसिप्रोकल टैरिफ हटाने का इरादा दिखाया।
- इस घटनाक्रम से भारत-अमेरिका ट्रेड, लाईन पर आना शुरू हो गया है।
- भारत के चीफ इकोनॉमिक एडवाइज़र ने कलकत्ता में पत्रकारों से बात करते हुए संकेत दिए।

लेन-देन की सुविधा प्रदान करने वाले बैंकों और वित्तीय कंपनियों पर भी अतिरिक्त प्रतिबंधों की घोषणा की थी। इन प्रतिबंधों के बाद, अधिकांश बैंकों ने रूसी तेल कंपनियों के साथ किसी भी तरह के लेन-देन से परहेज करना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने अपने ताजा आदेशों के तहत, रूस की दो सबसे

बड़ी तेल कंपनियों, रोसेनेफ्ट और लुकोइल पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगा दिए हैं। कई भारतीय कंपनियाँ कथित तौर पर अब मध्य पूर्व, लैटिन अमेरिकी और अमेरिकी कंपनियों से तेल खरीदने पर विचार कर रही हैं, जो रूसी तेल कंपनियों के साथ अपने खरीद समझौते

समाप्त कर रही हैं। एक बार जब ये कंपनियाँ रूसी तेल खरीद से दूर हो जाएँगी, तो विशेष दंडात्मक शुल्क हटाया जा सकता है।

यह घटनाक्रम अमेरिका के साथ एक बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार संबंध, नए सिरे से तय किये जाएँ, जैसा कि उसने अन्य देशों के साथ किये थे। भारत ने व्यापार वार्ता शुरू तो की थी, लेकिन उसने अमेरिकी माँगों के आगे घुटने नहीं टेके और अपने व्यापारिक हितों पर डटा रहा। इसके परिणामस्वरूप, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मनमाने ढंग से “भारतीय निर्यात पर रैसिप्रोकल टैरिफ” लगा दिए (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री से भेंट के बाद राजनीतिक सरगर्मियाँ बढ़ीं

जयपुर, 27 अक्टूबर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार सुबह विशेष विमान से अचानक दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसे दीवाली के बाद की शिष्टाचार भेंट बताया है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इस मुलाकात को लेकर काफी चर्चा हो रही है। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान मंत्रिमंडल विस्तार, राजनीतिक नियुक्तियों और सरकार के कामकाज को लेकर विस्तृत वार्ता हुई। राज्य में पिछले 22 महीनों से सीमित मंत्रियों के साथ सरकार चल रही है, जिससे कई विभागों का कार्यभार बढ़ा हुआ है

यह माना जा रहा है कि 2028 के चुनावों की रणनीति बनाने के लिए संगठन व सरकार में व्यापक फेरबदल हो सकता है

और प्रशासनिक निर्णयों में देरी भी सामने आ रही है। इसलिए अब जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना और मजबूत मानी जा रही है। बताया गया कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रदेश के विकास कार्यों की जानकारी दी और प्रशासनिक चुनौतियों से भी अवगत कराया। इसके साथ ही 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले पहले राजस्थानी प्रवासी दिवस का निमंत्रण भी दिया।

- मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री से तीन माह में तीसरी मुलाकात है। वे पहले जुलाई और सितम्बर में भी प्रधानमंत्री से मिले थे।
- प्रधानमंत्री से यह तीन महीनों में तीसरी मुलाकात है। इससे पहले वे जुलाई और सितंबर में भी पीएम मोदी से मिल चुके हैं। लगातार हो रही इन मुलाकातों को लेकर यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि संगठनात्मक स्तर पर भी बड़ा बदलाव हो सकता है। प्रदेश भाजपा में कई पद लंबे

समय से खाली हैं और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर भी देरी हो रही है। ऐसे में पार्टी के भीतर संतुलन साधते हुए सभी गुटों की प्रतिनिधित्व देने की तैयारी दिखाई दे रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस शासन के बाद मिले बड़े जनादेश को मजबूत दिशा देने और 2028 के विधानसभा चुनावों की रणनीति बनाने के लिए भाजपा संगठन



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और प्रदेश के विकास कार्यों की जानकारी दी व प्रशासनिक चुनौतियों से भी अवगत कराया।

और सरकार में व्यापक फेरबदल हो सकती है। दिवाली बाद के समय को शुभ समय मानते हुए प्रदेश की राजनीति में अब बड़े फैसलों की राह खुलती दिख रही है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को दी गई अपनी रिपोर्ट में विकास कार्यों की गति और तेज करने की इच्छा जताई है, ताकि जनता के भरोसे पर खरा उतरा जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने भी मुख्यमंत्री शर्मा को जनसेवा के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। अब इस मुलाकात के बाद पूरे प्रदेश की निगाह मंत्रिमंडल विस्तार की तारीख और नए चेहरों की सूची पर टिकी है।

विचार बिन्दु

यदि देश भक्ति का मतलब व्यापक मानव मात्र का हित चिंतन नहीं है तो उसका कोई अर्थ ही नहीं है। –महात्मा गाँधी

नोट के बदले वोट, लोकतंत्र पर चोट

लोकतंत्र में सर्वाधिक महत्व नागरिक– मतदाता का होता है। उसी के वोट के आधार पर यह तय होता है कि 5 वर्ष के लिए राज्य अथवा केंद्र में किस दल को बहुमत मिलेगा और किसकी सरकार बनेगी? चुनाव को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपादित करने के लिए चुनाव आयोग का गठन किया गया है। चुनाव प्रक्रिया से संबंधित जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 बनाया गया। इस कानून में चुनाव की प्रक्रिया का विस्तृत विवरण दिया गया है। इसमें उम्मीदवारों के लिए व्यय की अधिकतम सीमा लोकसभा के लिए 95 लाख तथा विधानसभा के लिए 40 लाख निर्धारित की गई है। इस कानून की अवहेलना होने पर किसी भी जीते हुए उम्मीदवार का चुनाव न्यायालय द्वारा निरस्त किया जा सकता है।

कानून के अतिरिक्त, चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रलोभन देने या प्रताड़ित करने के प्रकरण कुछ समय पहले तक बहुत अधिक सामने आते थे। कुछ दशक पहले, मतदान के एक दिन पहले शराब, सामग्री और नकद बांटना आम बात थी। ऐसा राजनीतिक दलों द्वारा इस सोच के साथ किया जाता था कि इस प्रकार सामग्री वितरण से मतदाता उनके पक्ष में मतदान करेंगे और वे सत्ता में आएंगे। अनेक बार ऐसा हो भी जाता था, क्योंकि भारतीय मतदाता अधिकांशतया अशिक्षित और निर्धन थे। तब मीडिया भी इतना अधिक जागरूक नहीं था। यह उल्लेखनीय है कि चुनाव खर्च की निर्धारित सीमा में, संबंधित उम्मीदवारों के दलों द्वारा किया गया खर्च सम्मिलित नहीं किया जाता है। इसीलिए चुनाव से पूर्व किया गया बड़ा खर्चा वह होता है जो किसी उम्मीदवार के खाते में तो नहीं जाता, किंतु मतदाताओं को रिझाने के लिए होता है। रैलियों, सभाओं के साथ ही आवश्यकता से अधिक वाहनों का प्रयोग, मतदाताओं को कई प्रकार से प्रलोभन देने का प्रयास, दलों की इसी धनराशि से होता आया है।

कानून के साथ ही, चुनाव प्रचार के दौरान शुचिता और गरिमा बनी रहे ,इसके लिए आदर्श चुनाव संहिता या “मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट” बनाया गया। इसका उद्देश्य भाषा की मर्यादा बनाए रखना तथा सत्ता के दुरुपयोग को रोकना था। इस अवधि में सरकार के मंत्री, सांसदों एवं विधायकों पर सरकारी सुविधाओं का उपयोग करने पर भी प्रतिबंध लग जाता है। चुनावों की घोषणा होने के बाद सरकार कोई नीतिगत निर्णय भी नहीं ले सकती है।

चुनाव आयोग पर हाल ही के दिनों में यह आरोप लगाते रहे हैं कि वह सत्ता धारी दल पर आदर्श चुनाव संहिता लागू करने में विपक्षी दलों की तुलना में कम सख्ती दिखाता है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को अनेक शिकायतें चुनाव अधिकारियों को प्राप्त होती हैं जिन पर केवल नोटिस देकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। सामान्यतः ये शिकायतें चुनाव होने के बाद फाइलों में दबी रह जाती हैं। संभव है, इसी कारण, राजनीतिक दल एवं उनके नेता आदर्श आचार संहिता को बहुत गंभीरता से नहीं लेते। इस हेतु कोई कानूनी कारवाई भी नहीं की जा सकती क्योंकि आचार संहिता को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं है।

हाल ही के दिनों में, मतदाताओं को प्रलोभन देने का नया तरीका सामने आया है, जो एक प्रकार से मतदाताओं को खरीदने जैसा ही है। इस प्रकार का कार्य वे सभी दल करने में लगे हैं जो सत्ता में हैं। इसके कुछ उदाहरण देने उपयुक्त होंगे।

गत महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पहले लगभग सभी चुनावी सर्वेक्षण यह बता रहे थे कि महा विकास अगाड़ी, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और राष्ट्रवादी कांठोस पार्टी (शरद पवार) सम्मिलित थे, को बहुमत मिलेगा।

चुनाव से कुछ दिनों पूर्व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने ‘लाडकी बहिन’ योजना की घोषणा कर दी, जिसके अंतर्गत प्रत्येक निर्वाश्रित महिला के खाते में प्रतिमाह 1500 रुपए जमा करा दिए गए। इस कारण, चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खाते में 1500 रुपए जमा हो गए। क्योंकि योजना की घोषणा चुनाव की तिथियां घोषित होने से पूर्व की गई थी, चुनाव आयोग का कोई अधिकार इस रोकने का नहीं था। यह पैसा सरकारी

बिहार का चुनाव परिणाम यह तय करेगा कि बिहार का मतदाता क्या अपने खाते में एक बार सीधी धनराशि प्राप्त करके संतुष्ट हो जाएगा और इसके आधार पक्ष में मतदान करेगा? प्रशांत किशोर की जन सुराज को छोड़कर शेष सभी दल केवल मतदाताओं को नोट देकर वोट लेने की बात कर रहे हैं । इस प्रक्रिया में हम यह भूल गए कि नोट बांटकर वोट बटोरने का काम लोकतंत्र पर चोट करने वाला है।

खजाने से दिया गया जो सारा जनाता का पैसा था। इसका असर यह हुआ कि जब चुनाव के परिणाम आए तो सभी सर्वेक्षणों के निपरीत, भाजपा-शिवसेना (शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) के गठबंधन महा युति को अच्छी खासी जीत मिली एवं उन्होंने दुबारा सरकार बनाई। इस बात पर किसी ने ध्यान नहीं दिया कि इस योजना के कारण महाराष्ट्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सत्ताधारी दल ने जनता के पैसे से प्रलोभन देकर चुनाव अपने पक्ष में कर लिया । सब जानते हैं कि सरकार का धन जनता से ही तो वसूल किया जाता है। इसे मनमाने ढंग से खर्च करना और चुनाव से ठीक पहले किसी वर्ग को ‘रिश्वत’ देकर अपने पक्ष में करना आदर्श



गोपेन्द्रनाथ भट्ट

भारत के विज्ञापन जगत में शब्दों का अद्भुत चितेरा माने जाने वाले और जयपुर के बेजोड़ नगीनों में से एक पियूष पांडे अब इस दुनिया में नहीं रहे। वे स्वयं पंचतत्व में विलीन होकर दिवंगत पाण्डे उपनाम से ईश्वर के स्लॉगन बन गए। पियूष पांडे की बहन विख्यात गायिका ईला अरुण के अनुसार वे सौंस से जुड़ी बीमारी से पीड़ित थे। पद्मश्री अलंकरण से सम्मानित दिवंगत पाण्डे ने सात दशकों की अपनी जीवन यात्रा में दिल को छूने वाले कई अनूठे ग़िफ्ट और श्रव्य दृश्य विज्ञापन और स्लॉगन बनाये। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव में अबकी बार मोदी सरकार चुनावी स्लॉगन भी बनाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि वचों तक हमरों बीच हुई बातचीत को मैं हमेशा सहेज कर रखूंगा।

जॉन क्या दिख जाए के लॉचिंग के दौरान मेरी उनसे नई दिल्ली के बीकानेर हाऊस में पहली बार मुलाकात हुई थी। उनकी एक बहन रमा पांडे चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में हमारी पड़ोसी थी। इस सन्दर्भ से उनसे हुए परिचय के दौरान मैंने उनकी रचनात्मक दृष्टि पर खुल कर

बातचीत की थी। तब उन्होंने बहुत ही आत्मीयता से कहा था कि ईश्वर ने हम सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभाने के लिए धरती पर भेजा है और एक दिन ईश्वर में ही विलीन हो कर हम भी एक स्लॉगन बन जाएँ। उनके ये शब्द आज मेरे कानों में गूँज कर मुझे भावुक कर रहे हैं। जानें क्या दिख जाए राजस्थान पर्यटन का प्रसिद्ध विज्ञापन स्लोगन था, जिसे पियूष पांडे ने वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री कार्यकाल (2004–2008) के दौरान तैयार किया था।यह स्लोगन सिर्फ एक पर्यटन नाम नहीं था बल्कि पियूष पाण्डे का राजस्थान की आत्मा और अनदेखे सौंदर्य को दर्शाने वाली एक रचनात्मक दृष्टि थी। उस समय राज्य सरकार ने प्रदेश के पर्यटन को नई पहचान देने के लिए एक व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया था। इसके लिए जिस विज्ञापन एजेंसी ओगिल्वी एंड माथर (Ogilvy & Mather) को विज्ञापन बनाने की जिम्मेदारी दी थी। उसके क्रिएटिव हेड पियूष पांडे ही थे। इस अभियान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया और उन्हें इंडियन आइकॉन ऑफ एडवर्टाइजिंग जैसे कई पुरस्कार भी मिले।

राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगर जयपुर में जन्में और नौ भाई बहनों के मध्य पले और बड़े हुए पूर्व रणजी क्रिकेटर पियूष पांडे कहते थे कि राजस्थान इतना विविधताओं से भरपूर है कि यहाँ हर बार कुछ नया देखने को मिलता है। इसलिए जानें क्या दिख जाए! स्लॉगन बनाते समय हमने सोचा कि क्यों न लोगों को यह सोचने पर मजबूर किया जाए कि राजस्थान यात्रा के दौरान वहाँ न जानें क्या दिख जाए! उनका माना था कि विज्ञापन सिर्फ प्रचार नहीं, बल्कि अनुभव की प्रेरणा होना चाहिए। इसलिए उन्होंने राजस्थान को देखने की जगह नहीं, महसूस करने की जगह के रूप में प्रस्तुत किया तथा कहा कि

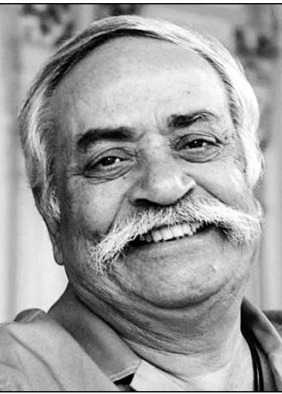
जानें क्या दिख जाए केवल एक स्लोगन नहीं बल्कि यह राजस्थान की आत्मा का गीत और आईना है, जिसे मैंने शब्दों में पिरोया है। उनकी यह रचना आज भी भारतीय पर्यटन अभियानों का एक क्लासिक उदाहरण मानी जाती है जहाँ विज्ञापन कला बन गया और शब्द भावना। भारत में पोलियो-अभियान के सघन प्रचार के लिए दो बूंद जिंदगी के जैसे स्लॉगन बनाने में उनका योगदान आज भी याद किया जाता है। भारत सरकार के अतुल्य भारत (Incredible India) अभियान से लेकर राजस्थान के जानें क्या दिख जाए तक पियूष पांडे ने भारत की सांस्कृतिक आत्मा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित कर उसे एक नई पहचान दी।

वर्ष 1982 में, 27 वर्ष की आयु में, पियूष पांडे ने भारतीय विज्ञापन कंपनी ओगिल्वी एंड माथर इंडिया (Ogilvy & Mather India) में क्लाइंट-सर्विसिंग एक्जीक्यूटिव के रूप में नौकरी प्रारंभ की। विज्ञापन-उद्योग में कदम रखने से पहले उन्होंने कोलकाता में चाय चखने (tea taster) जैसी नौकरियाँ भी की थीं, जहाँ उन्हें जीवन की विविध अनुभव प्राप्त हुए।

विज्ञापन-उद्योग की शुरुआत में यहाँ उनकी उम्मीदें बहुत कम थीं लेकिन उन्होंने हार न मानी और अपनी मेहनत से आगे बढ़े। उनका पहला प्रयास सनलाइट डिजैट के लिए एक प्रिंट विज्ञापन था, जिसे लिखकर उन्होंने विज्ञापन-क्षेत्र में कदम रखा। पियूष पांडे ने अपनी क्रिएटिव विचार-शैली और अद्वितीय दृष्टिकोण से भारतीय विज्ञापन-उद्योग में एक नया आयाम स्थापित किया। उन्होंने अनेक प्रतिष्ठित ब्रांड्स के लिए यादगार ऑडियो विजुअल विज्ञापन अभियान तैयार किए। भीमसेन जोशी द्वारा गाये गए कालजयी गीत फिर मिले सुर मेरा

तुम्हारा के बोल भी पियूष पाण्डे ने ही लिखें थे। उनके अन्य विज्ञापन अभियान जैसे फ़ेबिकोल के लिए।पीडो नही, जोड़ो टैगलाइन विशिष्ट दृश्य-कला से भरें थे। उन्होंने केडबरी डेयरी मिल्क के लिए कुछ खास हैं जैसे मिठास भरें लोकप्रिय स्लोगन बनाए।

इसी प्रकार एशियन पेंट्स के लिए हर घर कुछ कहता है जैसा सांस्कृतिक कैम्पेन तैयार किया। जानें क्या दिख जाए स्लोगन के चार शब्दों वाले वाक्य ने राजस्थान की अनंत संभावनाओं, रहस्य, संस्कृति, कला, और प्राकृतिक सौंदर्य को एक पंक्ति में बाँध दिया। यह वाक्य हर किसी के मन में एक विज्ञासा जगाता था और रहस्य पैदा करता था। साथ ही पर्यटकों के भीतर राजस्थान यात्रा की इच्छा जगाता था। यह स्लोगन कहता था राजस्थान आइए, यहाँ हर कदम पर एक नया चमत्कार है। यह सैलानियों के मन में राजस्थान को रहस्यमय और आकर्षक भूमि दोनों रूपों में उभार देने वाली एक अनूठी अनुभूति थी। जानें क्या दिख जाए की खूबसूरती इसकी अनिश्चितता में छिपी थी। यह बताता है कि यात्रा केवल मंजिल तक पहुँचना नहीं, बल्कि रास्ते में मिलने वाले अनुभवों का आनंद है। इस टेग लाइन के साथ चलाए गए टीवी विज्ञापनों और प्रिंट अभियानों में थार का मरुस्थल, ऊँट की सवारी, लोकगीत और नृत्य, किले-महल और राजस्थान के गाँवों की सादगी को दिखाया गया था। इस अभियान ने राजस्थान पर्यटन को नई ऊँचाई दी। साथ ही इससे देशी विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। साथ ही राजस्थान की ब्रांड-इज़न सिर्फ रेगिस्तान तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसे संस्कृति, रंग और रोमांच के प्रदेश के रूप में स्थापित किया गया।यह भारत के सबसे सफल राज्य-स्तरीय पर्यटन अभियानों में से एक माना गया।



स्व. पियूष पांडे

इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन अवाड्स में भी सराहना मिली और पियूष पांडे की रचनात्मकता को इंडियन आइकॉन ऑफ एडवर्टाइजिंग के रूप में स्थापित किया। पियूष पाण्डे की विज्ञापन-कला ने भारतीय उपभोक्ता-संस्कृति से गहरा संबंध बनाया तथा विज्ञापन को सिर्फ उत्पाद बेचने की कला से ऊपर उठकर कहानियों, भाषा-संवेदनाओं एवं स्थानीय भावनाओं से जोड़ा। उनकी इस शैली ने भारत के देशी विज्ञापन और दृश्य को वैश्विक मानचित्र पर प्रतिष्ठित किया। भारतीय विज्ञापन जगत के इस महान क्रिएटिव जीनियस के जाने से भारतीय विज्ञापन-उद्योग ने एक दूरदर्शी क्रिएटर तथा संस्कृति-निर्माता खो दिया है। पियूष पांडे की जीवन यात्रा बताती है कि कैसे एक सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर, दृढ़ संकल्प, क्रिएटिव सोच और भारतीय संस्कृति के प्रति सच्चे निष्ठा से- विज्ञापन जगत में वैश्विक प्रभाव डाला जा सकता है। उनकी कहानियाँ- विज्ञापन सिर्फ बिक्की का माध्यम नहीं, बल्कि संवाद की कला थी।

गोपेन्द्रनाथ भट्ट, साहित्यकार।

राजस्थान के सौर ऊर्जा का सिरमौर बनने में सवाई माधोपुर बना सहभागी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में कोलाड़ा एवं रामसिंहपुरा में 2.94 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित - 250 से अधिक कृषक परिवारों को सिंचाई के लिए दिन के समय सौर ऊर्जा आधारित बिजली मिलेगी



सुरेन्द्र कुमार मीणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी ऊर्जा नीति और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में देश का सिरमौर राज्य बन चुका है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना का माध्यम से राज्य में सौर ऊर्जा उत्पादन ने नई ऊँचाइयों छू ली हैं, जिसमें सवाई माधोपुर जिला भी इस राष्ट्रीय ऊर्जा क्रांति का सशक्त सहभागी बन गया है। जिले के बौली उपखण्ड स्थित कोलाड़ा 33/11 केबी सब-स्टेशन क्षेत्र में हाल ही में 1.82 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। यह राज्य का 956वां सौर संयंत्र है, जिससे सवाई माधोपुर जिले की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजस्थान ने पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत अब तक 2,000 मेगावाट क्षमता से अधिक के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर देश में एक नई मिसाल कायम की है। योजना के

कंपोनेंट-ए में राजस्थान देश में प्रथम स्थान तथा कंपोनेंट-सी में महाराष्ट्र एवं गुजरात के बाद तीसरे स्थान पर पहुँच गया है।

इसी क्रम में सवाई माधोपुर सर्किल के रामसिंहपुरा 33/11 केबी सब-स्टेशन क्षेत्र में 1.12 मेगावाट क्षमता का विकेन्द्रित सौर संयंत्र भी प्रारंभ किया गया है, कोलाड़ा एवं रामसिंहपुरा में 2.94 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना से लगभग 250 से अधिक कृषक परिवारों को सिंचाई के लिए दिन के समय सौर ऊर्जा आधारित बिजली उपलब्ध होगी। सवाई माधोपुर जिले में पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट ए एवं सी दोनों घटकों में सराहनीय प्रगति हो रही है। सभी संयंत्रों की स्थापना उपरांत किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली उपलब्ध हो सकेगी एवं कृषि उत्पादन में भी वृद्धि होगी। वर्तमान में सवाई माधोपुर जिले में कुसुम योजना कंपोनेंट-ए के तहत अब तक कुल 3 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र चालू हैं, जबकि अतिरिक्त 3.67 मेगावाट क्षमता के संयंत्रों पर कार्य प्रगति पर है। जिले के सारसोपर में 1.42 मेगावाट एवं कोलाड़ा में 2.25 मेगावाट उत्पादन क्षमता के संयंत्रों का स्थापना अंतर्गत चरण में है।

किसानों के लिए लाभ का नया सूर्योदयप्रधानमंत्री कुसुम योजना ने देश भर में किसानों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार किया है। इस योजना से किसान अब बिजली व डीजल निर्भरता से मुक्त होकर सौर ऊर्जा का उपभोग



कर दिन के समय सिंचाई कर रहे हैं। इससे न केवल उत्पादन लागत में कमी आई है, बल्कि अतिरिक्त आय का मार्ग भी खुला है।

ऊर्जा विभाग एवं विद्युत वितरण निगमों द्वारा इस योजना को जमीनी स्तर तक सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है।केंद्र सरकार ने राज्य की उत्कृष्ट प्रगति को देखते हुए कंपोनेंट-ए में वर्ष 2024-25 के लिए 397 मेगावाट और वर्ष 2025-26 के लिए 5000 मेगावाट क्षमता का अतिरिक्त आवंटन दिया है। वहीं कंपोनेंट-सी के लिए दोनों वर्षों में 2 लाख सोलर पंपों की अतिरिक्त क्षमता स्वीकृत की गई है। अब तक केंद्र सरकार राजस्थान को कंपोनेंट-ए में 5500 मेगावाट तथा कंपोनेंट-सी में 4 लाख सोलर पंपों का

लक्ष्य आवंटित कर चुकी है। **कृषि एवं घरेलू विद्युत् कनेक्शनों को नई गति**

राज्य सरकार ने कृषि कनेक्शन नीति-2017 में संशोधन कर यह प्रावधान किया है कि पीएम-कुसुम योजना के तहत स्थापित सौर संयंत्रों से जुड़े फीडरों पर प्राथमिकता के आधार पर तुरंत कृषि कनेक्शन जारी किए जाएंगे। इस निर्णय से सवाई माधोपुर जिले में किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में जिले में 1,590 कृषि कनेक्शन लंबित हैं तथा 480 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। नई नीति के तहत इन आवेदनों के शीघ्र स्वीकृत होने से किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराना संभव होगा।

दीपावली से पूर्व बिजली कनेक्शन

जारी करने के लिए चलाया विशेष अभियान के दौरान 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक मात्र 20 दिन में सवाई माधोपुर में 501 घरेलू कनेक्शन जारी किए गए।

राजस्थान और सवाई माधोपुर जैसे जिले इस राष्ट्रीय उपलब्धि में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। जिले के कोलाड़ा, रामसिंहपुरा, बौली, मित्रपुरा और बोरखेड़ा जैसे क्षेत्रों में स्थापित विकेन्द्रित सौर संयंत्र न केवल किसानों को दिन में बिजली दे रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन और ग्रामीण समृद्धि की नई कहानी लिख रहे हैं।

–सुरेन्द्र कुमार मीणा, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी, सवाई माधोपुर

राशिफल

मंगलवार 28 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलेवार, विक्रम संवत 2082, पृथ्वीपाद नक्षत्र दिन 3:45 तक, सुक्रमां योग प्रातः 7:50 तक, तैलफल करण प्रातः 8:00 तक, चन्द्रमा रात्रि 10:15 से पकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-धनु, मंगल-बुध्चक्र, बुध-बुध्चक्र, गुरु-मिथुन, शुक्र-कन्या,



पंडित अनिल शर्मा

शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रविवेग्य दिन 3:41 तक है। राजयोग प्रातः 8:00 से दिन 3:45 तक है। त्रिपुष्कर योग दिन 3:15 से सूर्योदय तक है। आज कल्पादि, सूर्य षष्ठि व्रत पूर्ण होगा। आज डाला छठ पर्व पर अस्तमांगी सूर्य अर्घ्य दिया जायेगा। आज षष्ठि तिथि में वृद्धि हुई है। **श्रेष्ठ चौघण्डिया:** चर 9:24 से 10:47 तक, लाभ अमृत 10:47 से 1:34 तक, शुभ 2:57 से 4:20 तक। **राहुकाल:** 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:38, सूर्यास्त 5:44 तक

मेघ परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

तुला व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

वृष चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। परिजनों से अनबन हो सकती है।

वृश्चिक व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मिथुन व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक विवादों का निपटारा हो सकता है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कर्क व्यक्तित्व परेशानियां दूर होने लगेगी। अटकें हटए कार्य बनने लगेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

मकर घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनलल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

कुंभ आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल के आग्रह पर राजस्थान के कम उत्पादकता वाले 8 जिलों को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से जोड़ा

अब इन जिलों में 11 विभागों की 36 योजनाओं को विशेष रूप से लागू करेगी केन्द्र व राज्य सरकार

कार्यालय संवाददाता नई दिल्ली/जयपुर।। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आग्रह पर केन्द्र सरकार ने तारबंदी कार्यक्रम में कई फसलों को शामिल किया है। साथ ही, राजस्थान के कम उत्पादकता वाले 8 जिलों को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से भी जोड़ लिया है। अब इन जिलों में 11 विभागों की 36 योजनाओं को विशेष रूप से लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली यात्रा के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मुलाकात की थी। इसके बाद दोनों नेताओं ने कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में राजस्थान में सिंचाई हेतु टांकों की व्यवस्था को जारी रखने, ‘पर ड्रॉप मोर क्राॅप’ योजना में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाने, योजना के अंतर्गत सांकेतिक आवंटन में वृद्धि करने, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन की उप-योजनाओं में तारबंदी कार्यक्रम को शामिल रखने तथा दलहन उप-योजना के अंतर्गत



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली यात्रा के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मुलाकात की थी।

कांटेदार तारबंदी पर अनुदान स्वीकृति जैसे कृषक हितैषी विषयों पर सार्थक निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा, किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए केन्द्रीय मंत्री का आभार जताया।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राजस्थान के

विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा, राजस्थान के विकास और प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र लिखकर

■ **केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राजस्थान के विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की**

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान के आर्थिक विकास, विभिन्न योजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन एवं जीएसटी बचत उत्सव पर चर्चा की**

टांका निर्माण पर रोक हटाने तथा विभिन्न योजनाओं में केन्द्रीय अनुदान बढ़ाने के लिए आग्रह किया था।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए भजनलाल शर्मा ने केन्द्र सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ ही राज्य सरकार के स्तर पर भी कई योजनाएँ लागू की हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को ही केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने राजस्थान के आर्थिक विकास,

विभिन्न योजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन एवं जीएसटी बचत उत्सव से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। शर्मा ने वित्त मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर वित्त मंत्रालय द्वारा जीएसटी दरों में की गई कमी का आम आदमी को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इससे दैनिक उपयोग की अधिकारिता वस्तुएँ सस्ती हुई हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी बचत उत्सव में हिस्सा लेते हुए आमजन ने त्यौहारों पर उत्साह के साथ स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर ‘मेक इन इंडिया’ को बढ़ावा दिया है।

छठ महोत्सव : घाट सजेवली मनोहर,मईया तोरा भगती अपार...



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वार्ड 5 स्थित सूर्य नगर, जेडीए कॉलोनी और गौतम विहार कॉलोनी में आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम में शिरकत की।

जयपुर। सूर्य उपासना के चार दिवसीय छठ महोत्सव के तीसरे दिन सोमवार शाम को जयपुर में निवास कर रहे पूर्वांचल के श्रद्धालुओं ने सोमवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ ब्रतियों ने भगवान भास्कर की आराधना की। सोमवार रात्रि को भक्ति संगीत और छठ मैया के गुणगान के साथ जागरण का आयोजन हुआ। पूर्वांचल और मिथिलांचल के लोक कलाकारों ने छठ मैया का स्थानीय भाषा में गुणगान किया। मुख्य आयोजन गीता जी तीर्थ में हुआ। यहां हजारों की संख्या में छठ ब्रती अर्घ्य देने पहुंचे। घाट सजेवली मनोहर,मईया तोरा भगती अपार, ।

लिहिए अरग हे मईया, दिहीं आशीष हजार...लोग गीत के साथ 36 घंटे निर्जल निराहार रहे ब्रतियों ने अर्घ्य दिया। सोमवार को शाम ढलने से पूर्व ही गलताजी के घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए ब्रतियों की भीड़ उमड़ी।

विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 5 स्थित सूर्य नगर, जेडीए कॉलोनी और गौतम विहार कॉलोनी में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का पव्य

■ **अस्तगामी सूर्य को दिया पहला अर्घ्य, आज उगते सूर्य को देंगे दूसरा अर्घ्य**

■ **दिया कुमारी ने छठ पूजा में शामिल होकर समुदाय के लोगों से बिहार चुनाव में एनडीए प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की**

आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं के साथ पूजा-अर्चना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

दिया कुमारी ने कहा कि छठ पर्व हमारी सनातन संस्कृति, सूर्य उपासना, आस्था, अनुशासन और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का अद्भुत प्रतीक है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भक्ति और उत्साह ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है। मैं भगवान सूर्य देव से प्रार्थना करती हूँ कि वे सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं प्रकाश का संचार करें। दिया कुमारी ने कहा कि, आप लोगों ने विधानसभा चुनाव में मुझे जीत दिलाई थी, अब मैं चाहती हूँ कि बिहार चुनाव में भी एनडीए के प्रत्याशियों को वोट देकर सरकार बनाएँ। इस अवसर पर उदय शाह, उमेश गुप्ता, अवधेश

बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने बताया कि मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ महापर्व का समापन होगा। ब्रती लोग सूर्य के उदय होने से पूर्व ही बांस की टोकरी में नारियल, गन्ना, कच्ची हल्दी, नींबू, अदरक, सेव, संतरा सहित सभी तरह के मौसमी फल लेकर पानी में खंडे हो जाएंगे। जैसे ही सूर्य उदित होगा लोक गीतों के साथ परिवार की सुख-समृद्धि के लिए अर्घ्य प्रदान करेंगे।

विहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने बताया कि मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ महापर्व का समापन होगा। ब्रती लोग सूर्य के उदय होने से पूर्व ही बांस की टोकरी में नारियल, गन्ना, कच्ची हल्दी, नींबू, अदरक, सेव, संतरा सहित सभी तरह के मौसमी फल लेकर पानी में खंडे हो जाएंगे। जैसे ही सूर्य उदित होगा लोक गीतों के साथ परिवार की सुख-समृद्धि के लिए अर्घ्य प्रदान करेंगे।

विहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने बताया कि मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ महापर्व का समापन होगा। ब्रती लोग सूर्य के उदय होने से पूर्व ही बांस की टोकरी में नारियल, गन्ना, कच्ची हल्दी, नींबू, अदरक, सेव, संतरा सहित सभी तरह के मौसमी फल लेकर पानी में खंडे हो जाएंगे। जैसे ही सूर्य उदित होगा लोक गीतों के साथ परिवार की सुख-समृद्धि के लिए अर्घ्य प्रदान करेंगे।

पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं जड़ी-बूटियों की सतत खेती पर राष्ट्रीय सम्मेलन



जहां पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति परम श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण महाराज ने मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, अम्र वस्त्र और स्मृति चिह्नन भेंट करके किया। शुभारम्भ दीप प्रज्वलन, ध्वन्तरि वंदना और डॉ. अरुना तिवारी व उनकी टीम के समूहगान से हुआ। स्वागत उद्घोषन, निदेशक मृदा भरुवा एग्नी साईंस, डॉ. के.एन. शर्मा ने दिया। आचार्य और मुख्य अतिथियों ने सार पुस्तिका “स्वस्थ धरा और मेडिसिनल प्लांट्स: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोमेडिसिन्स एवं रिस्टोडेड इंडस्ट्रीज” का लोकार्पण भी किया। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के.वी. ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन

में कहा कि नाबार्ड का प्रमुख उद्देश्य देश में स्थायी कृषि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि, लघु उद्योग, कुटीर व हस्तशिल्प, यामोद्योग और अन्य ग्रामीण शिल्प के लिए ऋण उपलब्ध कराना है। वर्तमान की आवश्यकता यह है कि ग्रामीण विकास में निवेश बढ़े और समावेशी तथा स्थायी कृषि को प्रोत्साहित किया जाए। नाबार्ड देशभर में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों का संचालन करते हुए कृषि प्रक्रियाओं में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि फसल की सुरक्षा से ही मानव

स्वास्थ्य की रक्षा संभव है। अब समय आ गया है जब हमें अपने पूर्वजों से पाप्त मिट्टी को उसके मूल स्वरूप पुनः लौटाना चाहिए और मूल की भूल को सुधारना चाहिए। पतंजलि की डीकेडी मशीन मृदा संबंधी चुनौतियों को दूर कर धरती को रोगमुक्त बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। इसकी किट से केवल आधे घंटे में मिट्टी के आवश्यक पोषक तत्व: नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, पीएच, ऑर्गेनिक कार्बन और इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, का परीक्षण किया जा सकता है, जिससे मिट्टी में

एक प्रभावी तरीका है जो मृदा प्रबंधन, उत्पादन, लागत में कमी, मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार और उपज बढ़ाने में मदद करता है, जिससे कृषि स्थिरता में सुधार होता है।

कार्यक्रम में बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के डॉ. राजेश्वर सिंह चंदेल ने पर्वतीय क्षेत्रों में सीमित भूमि के बावजूद अतीकृत कृषि प्रणाली प्रभावी बताते हुए पारंपरिक ज्ञान, नवाचारी उपकरण और महिला प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा, अन्य विशेषज्ञों प्रो बी. आर. कांबोज, डॉ. जे. एन. रैना, डॉ. जी.पी. राव और डॉ. प्रदीप शर्मा ने स्वस्थ मिट्टी, बेहतर फसल और प्रबंधन तकनीक से वैश्विक स्वास्थ्य के भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यक्रम के अंत में पोस्टर सत्र के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

द्रव्यवती नदी के सौंदर्यीकरण को लेकर न्याय मित्रों को दस्तावेज मुहैया कराएं

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की द्रव्यवती नदी के सौंदर्यीकरण से जुड़े मामले में हाईकोर्ट रजिस्ट्री को कहा है कि वह मामले में नियुक्त तीनों न्याय मित्रों को प्रकरण से जुड़ी डिजीटल पेपर बुक मुहैया कराए।

इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश पीएन मैदोला व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत की जानकारी में आया कि पूर्व में नियुक्त न्यायमित्र अलंकृता शर्मा, संशोधित तिवाड़ी और संदीप सिंह शेखावत को अदालत में रिपोर्ट पेश करनी है कि अदालती आदेश की पालना में राज्य सरकार की ओर से क्या कार्रवाई की गई, लेकिन तीनों की न्यायमित्रों को अभी तक प्रकरण से जुड़े कागजात नहीं मिले हैं।

इस पर अदालत ने हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को कहा कि वे तीनों न्यायमित्रों को संबंधित दस्तावेजों

■ **राजस्थान हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है**

की पेपर बुक डिजिटल फॉर्मेट में मुहैया कराए। वहीं अदालत ने मामले की सुनवाई तीन दिसंबर को तय की है।

न्यायमित्र अधिवक्ता अलंकृता शर्मा ने बताया कि अदालत ने 18 साल से विचारधीन इस प्रकरण से जुड़ी जमीनी हकीकत जानने के लिए गत सात अक्टूबर को तीन न्यायमित्र नियुक्त किए थे। उन्हें अदालती आदेश पर रिपोर्ट पेश करनी है कि अब तक मामले में राज्य सरकार की ओर से क्या कार्रवाई हुई, लेकिन पेपर बुक नहीं मिलने के अभाव में रिपोर्ट पेश नहीं की जा सकी।

गौरलभ है कि पीएन मैदोला ने साल 2007 में जनहित याचिका दायर कर अमानोशाह नाला, जिसे अब द्रव्यवती नदी कहा जाता है, में अतिक्रमण को हटाने की गुहार कर रखी है। मामले के लंबित रहने के दौरान इसकी चौड़ाई तय करते हुए इसे पक्का किया गया है।

राजस्थान में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे किसी भी दुकान या वाणिज्यिक संस्थान में काम नहीं करेंगे

भजनलाल सरकार ने दुकान-वाणिज्य संस्थान अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी

■ **सरकार के इस फैसले को राजस्थान में श्रम सुधार की बड़ी पहल बताया गया है। इस निर्णय से बच्चों व महिलाओं की सुरक्षा के साथ व्यापारिक जगत को बढ़ावा मिलेगा**

के किशोरों को रात्रि के समय कार्य करवाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह बदलाव बाल श्रम को रोकने और किशोरों को शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य के उचित अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार ने श्रमिकों की दैनिक कार्य अवधि में भी संशोधन किया है। अब अधिकतम कार्य अवधि 9 घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे कर दी गई है तथा ओवरटाइम सीमा तिमाही में 144 घंटे तक कर दी गई है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ श्रमिकों को भी अतिरिक्त आय का अवसर प्राप्त होगा।

सरकार का मानना है कि यह फैसले प्रदेश की अर्थव्यवस्था और श्रमिक कल्याण-दोनों के लिए लाभदायक होंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान कारखाना (संशोधन) नियम 2025 को भी मंजूरी दी है। अब विशेष श्रेणी के कारखानों में महिलाओं को नियोजन की स्वीकृति दी जाएगी। गर्भवती और धात्री महिलाओं को छोट्टकर अन्य महिलाओं को इन कारखानों में कार्य करने की अनुमति होगी, वशतें नियोजता उनकी सुरक्षा के लिए उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए। फेस शील्ड, हीट

शील्ड, मास्क, ग्लव्स और श्वसन सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था अनिवार्य होगी। इसके साथ ही कार्यस्थल पर वायु गुणवत्ता सुनिश्चित करने और सभी श्रमिकों को सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने का निर्देश दिया गया है ताकि महिलाओं की सुरक्षा और निजता के अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिल सके। इन संशोधनों के माध्यम से भारत सरकार के कंप्लायंस रिड्रेशन एंड डिरैगुलेशन डिकिट की प्रभावी अनुपालना हो रही है। राज्य सरकार का दावा है कि इन सुधारों से श्रमिकों के लिए सुस्थित और अनुकूल माहौल तैयार होगा, वहीं उद्योग व व्यापार क्षेत्र को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार श्रमिक हितों और निवेशक सुविधा-दोनों के संतुलन को ध्यान में रखते हुए आगे भी सार्थक कदम उठाती रहेगी।

रेट मेंरोजाना कम से कम एक पीठ करेगी मामलों की सुनवाई

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट को कार्मिक सचिव ने आह्वस्त किया है कि सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण (रेट) की जयपुर बेंच में हर कार्य दिवस पर सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक कम से कम एक पीठ मुकदमों की सुनवाई करेगी। इसके साथ ही त्रत्येक बेंच में सुनवाई के लिए वीसी की सुविधा आरंभ की जाएगी। डीओपी सचिव के आवासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने अधिकरण के रजिस्ट्रार को एक सप्ताह में पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा है। वहीं अदालत ने आगामी सुनवाई पर डीओपी सचिव को उपस्थिति से छूट देते हुए कहा कि वे इन बिंदुओं पर कामकाज की मांनिटरिंग करेंगी। जस्टिस अशोक

कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुमन कुमारी की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में डीओपी सचिव शुचि त्यागी और अधिकरण के रजिस्ट्रार राकेश मीणा अदालत में पेश हुए। डीओपी सचिव ने अदालत को आश्वासन दिया कि अधिकरण की हर बेंच के लिए वीसी की सुविधा आरंभ की जाएगी। वहीं अधिकरण की वेबसाइट पर लाइव डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम के साथ-साथ अदालत कक्ष और भवन के बाहर डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाएगा, ताकि वकील दूरस्थ स्थान से भी अपने मामलों पर नजर रख सकें। इसके अलावा यदि आकस्मिक स्थिति में सभी बेंच बंद हो जाती है तो जोधपुर सहित

अन्य स्थान पर कार्यरत सक्रिंट बेंच वीसी के जरिए मामलों की सुनवाई करेगी और इसके लिए जयपुर पीठ से ऑनलाइन रिकॉर्ड भेजा जाएगा।

याचिका पर सुनवाई के दौरान पूर्व में वकीलों ने अदालत को बताया था कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों के सेवा संबंधी विवादों के निपटारे के लिए सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण का गठन किया है। जहां त्रत्येक मामले की सुनवाई के लिए दो सदस्यीय पीठ का गठन होता है, लेकिन किसी ना किसी कारण से पीठ गठित नहीं होती या अंतिम समय पर रद्द हो जाती है। जिससे मामलों पर सुनवाई नहीं हो पाती। जबकि पूर्व में अधिकरण में वीसी स्थापित करने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

संघीय ढांचे की समझ के बिना राजनीति कर रहे है तेजस्वी, यह बचकानापन : मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बिहार चुनाव, तेजस्वी यादव और राजस्थान में अंता उपचुनाव में विपक्ष के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने कहा कि तेजस्वी यादव अभी युवा हैं, उन्हें देश के संघीय ढांचे की समझ नहीं है। हमारा देश संघीय व्यवस्था से चलता है और जो निर्णय केंद्र सरकार लेती है, उसे हर राज्य को मानना होता है। कोई यह कह दे कि हम किसी केंद्रीय कानून को अपने प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे, यह न केवल बचकानी बात है बल्कि संविधान की अवमानना भी है। यह देश एक है और कोई भी प्रदेश इस देश से अलग नहीं है। तेजस्वी यादव और कांग्रेस पार्टी दोनों ही ऐसे बयान देकर भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

तेजस्वी की वही भाषा है जो पहले राहुल गांधी बोलते थे और अब तेजस्वी उसी शब्दावली का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता । बिहार में भाजपा की सरकार बनने वाली है और भाजपा की नीतियां हर राज्य में समान रूप से लागू होंगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने चारा घोटाले से जुड़े सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बात सर्वविदित है कि लालू प्रसाद यादव पर गंभीर आरोप लगे थे। कांग्रेस ने तब उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की थी, मुकदमों को कमजोर करने के प्रयास किए गए, लेकिन सफलता नहीं मिली। कांग्रेस हमेशा तृष्णिकरण की राजनीति करती

■ **अंता चुनाव में कांग्रेस जैसा कलंकित उम्मीदवार भाजपा का नहीं, यहां भारी मतों से चुनाव जीतेगी भाजपा : प्रदेशाध्यक्ष**

■ **कांग्रेस हमेशा तृष्णिकरण की राजनीति, कभी किसी वर्ग विशेष के लिए तो कभी किसी गठबंधन के दबाव में है : मदन राठौड़**

आई है। कभी किसी वर्ग विशेष के लिए, कभी किसी गठबंधन के दबाव में। गठबंधन की राजनीति में कांग्रेस को अपने साथियों की शर्तें माननी पड़ती हैं, वरना गठबंधन टूट जाता है। यही कारण है कि वह नैतिकता से समझौता करती रहती है। राठौड़ ने कहा कि देश में यदि एसआईआर सर्वे या मतदाता सूची की समीक्षा हो रही है, तो यह स्वागत योग्य कदम है।

जिन लोगों ने गलत तरीके से अपने नाम जुड़वाए हैं, उन्हें ही दर लग रहा है। अगर कोई गलत नाम मतदाता सूची से हटाया जा रहा है तो डरने की जरूरत क्यों ? देश का निर्णय देश का नागरिक करेगा। जो ईमानदार हैं, उन्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर कहा कि आज कांग्रेस एकजुटता की बात कर रही है, लेकिन अपने ही मुख्यमंत्री को किसने नीचा दिखाया? पार्टी किसने तोड़ी? आज जो ‘हॉर्स ट्रेडिंग’ की बातें कर रहे हैं, वही अपने नेताओं को बचाने पर मजबूर कर चुके हैं। क्या उनके अपने विधायक बिकाऊ माल हैं कि वे ऐसी

बातें कर रहे हैं? राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने न तो कोई विद्रोह है, न असंतोष। भाजपा पार्टी एकजुट है। चुनावी तैयारी पूरी है। हमारे उम्मीदवार मरोयाल सुनिश्च और कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में सक्रिय हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता मैदान में जुटे हुए हैं। स्वयं वसुंधरा राजे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी निगरानी कर रहे हैं। मदन राठौड़ ने कहा कि विपक्ष कैसे भी गलत हथकंडे अपनाए, सफलता नहीं मिलेगी। हाल ही में करीबन 9 करोड़ रुपय और शराब जब्त की गई, ये गलत तरीके हैं, जो चुनावी नैतिकता के विरुद्ध हैं। जनता सब जानती है और समय पर जवाब देगी।

राठौड़ ने कहा कि भजनलाल शर्मा की सरकार ने राजस्थान में जिस तरह तेजी से काम किया है, वह प्रशंसनीय है। पिछली कांग्रेस सरकार ने करीब साल में ईआसीपी और बिजली व्यवस्था पर कोई काम नहीं किया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में रामजल सेतु परियोजनाएं शुरू हुई हैं, टेंडर जारी हुए हैं और पाइपलाइन का काम चालू हो गया।

गलत दिशा से आई निजी बस ने एसयूवी को टक्कर मारी, एक की मौत, 3 6 घायल

कार सवार परिवार जीण माता दर्शन करने जा रहा था, ओसियां से रवाना होते ही हादसा हुआ

जोधपुर, (कासं)। जिले के ओसियां पुलिस थाना क्षेत्र में चाड़ी गांव के समीप सोमवार की सुबह चाड़ी गांव से जोधपुर की तरफ आ रही एक एसयूवी कार को सामने से आई निजी बस ने टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए और एक की मौत हो गई। इधर हादसे के बाद बस भी पलटी खा गई और उसमें सवार 31 लोग घायल हो गए। जिनमें 12 लोगों को जोधपुर रैफर किया गया है। कार में सवार सभी छह लोगों को जोधपुर भेजा गया है। मृतक भीनमाल का है और व्यापारी बताया जाता है। साथ में पत्नी और बेटे भी थे। सूचना के बाद पुलिस मौका स्थल पर पहुंची। कार में सवार मृतक बुरी तरफ फंस गया था, जिसे बाद में वैम्युशिकल बाहर निकाला गया। ओसियां थानाधिकारी राजेंद्र सिंह

- हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गये और एक की मौत हो गई
- हादसे के बाद निजी बस भी पलटी खा गई और बस में सवार 31 लोग घायल हो गए

ने बताया कि सोमवार सुबह आठ बजे के आसपास चाड़ी गांव के समीप में सड़क दुर्घटना की जानकारी मिली। चाड़ी की तरफ आ रही एक ग्रामीण रूट की निजी बस और एसयूवी-700 में यह टक्कर हुई थी। प्रथम दृष्टया पता लगा कि बस चालक ने गलत दिशा में जाकर कार को टक्कर मारी है। हादसे में कार में सवार भीनमाल जालोर निवासी भंवरजी पुत्र प्रताप माली की मौत हो गई। कार चालक दिलीप कुमार, अरविंद, विजय, उषा माली, संतोष माली एवं महेंद्र बुरी तरह घायल

हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया गया है। इस हादसे के बाद बस पलटी खा गई और उसमें सवार 31 लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए ओसियां और जोधपुर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। छह लोगों को जोधपुर रैफर किया गया है। हादसे में जाखण निवासी सुल्तान, पूनासर ओसियां निवासी नरसिंगराम, ओमपुरा निवासी पेमाराम जाट, चाड़ी के ओमप्रकाश विश्नोई, खिंदाकोर के पप्पूराम, बापिणी के दिनेश, ज्योति मेघवाल, पूनासर की यशु कंवर,

कंवरजी की खेजड़ी निवासी पूजा पुजी भागीरथराम, चाड़ी के किशनाराम, थारा के संजय, कपूरिया निवासी नैनसिंह, पूनासर निवासी भोजाराम, रिमडमलसर निवासी गंगाराम, जाखण के सत्ताराम, ओमपुरा निवासी पूनाराम, बिरसालु निवासी माधाराम, कड़वा के दीपसिंह, चाड़ी के जगदीश, निर्बो का तालाब निवासी रामेश्वर, पूनासर के गोमदराम, पंडितजी की ढाणी के दिलीपसिंह, बिरसालु निवासी हुकमाराम, धर्मेंद्र, जगदीश, भगवती, पंडितजी की ढाणी के जसराज सेनी, गणपतसिंह, जितेंद्र सिंह, बाबूराम, एवं पूनासर के चोलाराम पुत्र मंगूराम घायल हुए हैं। बस में सवार पूजा, किशनाराम, संजय, नैनसिंह, भोजाराम एवं गंगाराम को जोधपुर रैफर किया गया है।

कार चला रहे दिलीप सैन ने

बताया कि वो भीनमाल से अल सुबह चार बजे निकले थे। आज सुबह ओसियां से नाश्ता करके निकले थे। थोड़ा आगे निकलते ही सामने मोड़ पर अचानक से बस रॉंग साइड में सामने आ गई। बस की स्पीड करीब 100 के आस-पास थी। मुझे कुछ सेकेंड भी संभलने का मौका नहीं मिला। हालांकि मैंने गाड़ी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन बस ने गलत दिशा में टक्कर मार दी। कार में सवार महिला उषा ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ भीनमाल से जीण माता दर्शन के लिए जा रहे थे। ओसियां से रवाना होते ही ये हादसा हो गया। हादसे की सूचना के बाद मैं कांग्रेस नेता करण सिंह उचियारड़ा अस्पताल पहुंचे तथा घायलों से मुलाकात की। उन्होंने सभी घायलों से मुलाकात की और उनसे हादसे को लेकर जानकारी ली।

ट्रक से टकराई रोडवेज बस

टोंक, (निस्)। बरोनी थाना क्षेत्र पर स्थित जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे-52 पर सोमवार दोपहर को जयपुर से कोटा की ओर जा रही राजस्थान रोडवेज बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई तथा चार जने घायल हो गए। घटना के बाद में घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों व ग्रामीणों ने घायलों को सहादत अस्पताल टोंक में भर्ती कराया। बस में मौजूद एक सवारी ने बताया कि यह हादसा बारिश के चलते एकाएक ट्रक नजर नहीं आने से हुआ है, इस दौरान बस के आगे वाइपर भी नहीं था। इससे बस के आगे का शीशा रिमझिम बारिश से धुंधला हो गया और चालक को ट्रक नजर नहीं आया जिससे हादसा हो गया। मौके पर पहुंची बरोनी थाना पुलिस ने बताया कि जयपुर से कोटा जा रही रोडवेज बस बरोनी थाना क्षेत्र के एनएच-52 के डीटीओ ऑफिस के पास पर चल रहे ट्रक स्पष्ट रूप से नहीं दिखा। हादसे में चार सवारी घायल हुई है, जिन्हें सआदत अस्पताल पहुंचाया गया है।

कोटा, (निस्)। नांता थाना इलाके में सोमवार सुबह कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर आगे चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक के प्रयास में बाढ़मेर से कोटा आ रही निजी बस तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब एक दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हो गये। बस पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। उधर से गुजर रहे लोगों ने लहलुहान यात्रियों को बस से निकाला और अस्पताल पहुंचाया। बस पलटने की सूचना पर पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में घायलों से मिलने पहुंचे।

कोटा सिटी एसपी तेजस्विनी गौतम, लाडपुरा एसडीएम गजेंद्र सिंह, पुलिस उपाधीक्षक मनोष शर्मा आदि ने हादसे में घायल महिलाएं और बच्चों से जानकारी ली। एडीएम गजेंद्र सिंह ने उचित इलाज के लिए अस्पताल को निर्देश दिए।

नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवलकिशोर शर्मा ने



दुर्घटना के बाद क्रेन बुलाकर सड़क से बस हटवाई।

बताया कि बाढ़मेर से कोटा आ रही यात्रियों से भरी निजी बस खड़ीपुर के समीप ट्रेलर को ओवरटेक करने के दौरान ट्रेलर चालक द्वारा ब्रेक लगाने पर अनियंत्रित होकर पलट गई। थानाधिकारी ने बताया कि बस में

- आगे चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर पलट गई
- बस में करीब 40-45 यात्री सवार थे, लोगों ने घायलों को बस से निकाला

कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर सोमवार दोपहर को जयपुर से कोटा की ओर जा रही राजस्थान रोडवेज बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई।

के बाद क्रेन बुलाकर सड़क से बस हटाई और रास्ता क्लियर कराया गया। थानाधिकारी ने बताया कि बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है एवं बस को जम्बू कर चालक को गिरफ्तार कर लिया, मामले की जांच की जा रही है। हादसे में घायलों में कुणाल, हिमांशु, सीमा गौस्वामी, उमर खान, लवली, मुकेश कुमार, जितेन्द्र कुमार, कृष्णा, मदन, राजेन्द्र, प्रेम बाई, बनवारी बाई एवं सामरिया है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निस्)। थानाधिकारी कोतवाली के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा कोतवाली थाना क्षेत्र के गाड़ियों के अड्डा इलाके में हुये जानलेवा हमले के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके कब्जे से लोहे का सरिया व एक धारदार हथियार भी बरामद किया गया है। कोतवाली थानाधिकारी ने बताया कि 23 सितम्बर को परिवारों अब्दुल अजीज को आरोपियों ने फोन करके गाड़िये के अड्डे पर बुलाया और उस पर हथियार व सरिये लकड़ीयों से वार कर दिया। घटना में उसे और उसके भाई को गम्भीर चोटें आईं।

एमडीएसयू में क्रिकेट विवाद पर बवाल

प्रदर्शनकारियों और सिविल लाइंस थाना पुलिस के झड़प भी हुई

अजमेर, (निस्)। महर्षि दयानंद सरस्वती वि.वि. (एमडीएसयू) में अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर विवाद गरमा गया। छात्रसंघ अध्यक्ष महिपाल गोदारा के नेतृत्व में सोमवार को विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों और सिविल लाइंस थाना पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई। पुलिस ने छात्रों को मुख्य द्वार पर ही रोक दिया गया।

- छात्रसंघ अध्यक्ष ने कुलगुरु पर तानाशाही रखेये का आरोप लगाया

विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता सोमवार से शुरू हुई। इस प्रतियोगिता में दर्जनों कॉलेज भाग ले रहे हैं। गोदारा ने कुलगुरु प्रो. सुरेश अग्रवाल पर तानाशाही

रखैये का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट प्रतियोगिता से ठीक पहले आर्यन कॉलेज को बाहर करना खिलाड़ियों के भविष्य से खिलवाड़ है। उन्होंने बताया कि छात्रों का प्रतिनिधि मंडल शनिवार को कुलगुरु से मुलाकात के लिए गया था, लेकिन अग्रवाल बिना छात्रों से मिले पिछले दरवाजे से निकल गए। गोदारा ने कहा कि 2024 में भी एक छात्र के नौकरी करने के मामले में आर्यन कॉलेज को प्रतियोगिता से बाहर किया गया था। इस

बार 2025 में कुलगुरु की अनुशंसा पर कॉलेज को दो साल के लिए निर्लंबित कर दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर फैसला वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कुलगुरु के खिलाफ नारेबाजी की और निर्णय को छात्र विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के इस कदम से दर्जनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का भविष्य अधर में लटक गया है।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

सरदारशहर, (निस्)। भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसील कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी निर्मल सोनी को 90 हजार रुपये की रिश्वत लेते रहे हाथों गिरफ्तार किया है। झुंझुनू एसीबी के डीएसपी शम्बीर खान ने बताया कि एसीबी चौकी झुंझुनू इकाई ने इस ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया है। परिव्रादी अंजनी सोनी ने एसीबी में शिकायत दी थी कि उन्होंने तहसील कार्यालय सरदारशहर में कृषि भूमि के कन्वर्जन के लिए आवेदन किया था। इस दौरान तहसीलदार और सहायक प्रशासनिक अधिकारी निर्मल सोनी ने कन्वर्जन करवाने के एवज में एक लाख रुपये रिश्वत की मांग की। जिस पर झुंझुनू एसीबी टीम द्वारा 25 अक्टूबर को सत्यापन करवाया गया। निर्मल सोनी ने

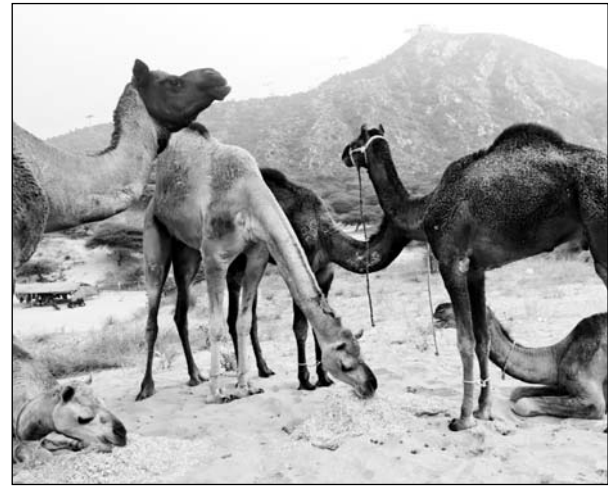
परिवादी अंजनी सोनी को अपने घर पर बुलाकर बात की थी। निर्मल सोनी ने कन्वर्जन फीस के अलावा 90 हजार रुपये की हिमांङ की थी। सत्यापन करवाने के बाद सोमवार को टीम ने तहसील कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी निर्मल सोनी को 90 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। निर्मल सोनी ने परिवादी से राशि लेकर अपनी पेंट की जेब में रखी थी जो टीम द्वारा निर्मल सोनी की जेब से बरामद की है। शम्बीर खान ने बताया कि तहसीलदार की भूमिका के बारे में जब निर्मल सोनी से पूछताछ की गई तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा है। निर्मल सोनी का कहना है कि यह पैसे मेरे द्वारा उधार लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर अनुसंधान जारी है। अनुसंधान में पूरा मामला स्पष्ट हो जाएगा।



पुष्कर मेले में विभिन्न प्रकार की नस्लों के घोड़े पहुंचे।

पुष्कर, (निस्)। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेला पूरे परवान पर है। भोले कुछ सालों से ऊंटों से खासा पहचान बनाने वाला पुष्कर पशु मेला अब घोड़ों के मेले में तब्दील हो गया है, जिसके चलते पुष्कर पशु मेले में करोड़ों के नामी अश्व घोड़े खरीद फरोख्त समेत मुदर्शन के लिए डेरे जमा रखे हैं। इसी बीच मेले में 68 इंच ऊँचाई वाला 5 साल का बादल और साढ़े 65 ऊँचाई वाला काले रंग का शहबाज घोड़ा जिसकी कीमत 15 करोड़ से ज्यादा है, वहीं मारवाड़ी नस्ल का हर्ष नाम का घोड़ा मेले की रौनक बढ़ा रहा है। घोड़ों और 800 किलो का बुलबुल भैसे को

अपने-अपने घोड़ों के साथ स्टेट फार्म के टेंटों में घोड़ों का प्रदर्शन कर रहे हैं। वीते कुछ सालों से ऊंटों से खासा पहचान बनाने वाला पुष्कर पशु मेला अब घोड़ों के मेले में तब्दील हो गया है, जिसके चलते पुष्कर पशु मेले में करोड़ों के नामी अश्व घोड़े खरीद फरोख्त समेत मुदर्शन के लिए डेरे जमा रखे हैं। इसी बीच मेले में 68 इंच ऊँचाई वाला 5 साल का बादल और साढ़े 65 ऊँचाई वाला काले रंग का शहबाज घोड़ा जिसकी कीमत 15 करोड़ से ज्यादा है, वहीं मारवाड़ी नस्ल का हर्ष नाम का घोड़ा मेले की रौनक बढ़ा रहा है। घोड़ों और 800 किलो का बुलबुल भैसे को



मेला क्षेत्र में ऊंट अठखेलिया करते नजर आ रहे हैं।

- 68 इंच ऊँचाई वाला बादल और साढ़े 65 ऊँचाई वाला शहबाज घोड़ा मेले की रौनक बढ़ा रहा है
- अब तक हजारों के तादाद में विदेशी पर्यटक पुष्कर मेला देखने के लिए पहुंच चुके हैं

देखने के लिए बारिश में लोग पुष्कर मेले में पहुंचकर बादल, शहबाज, हर्ष घोड़े समेत बुलबुल भैसे को निहार रहे हैं। केकड़ी के अश्व पालक राहुल जैतवाल अपने सफेद रंग के घोड़े-घोड़ियों के साथ मेले में पहुंचे हैं, जिसमे सबसे खास है पांच साल का बादल नाम का घोड़ा जो कि लगातार तीसरी बार पुष्कर मेले में आया है। राहुल ने बताया

किसान के फसल का बीमा उठाने से पहले ही ठगों ने क्लेम लिया

किसान ई-मित्र पर पहुंचा तो पता चला, 5 गांव के 11 किसानों से धोखाधड़ी

बीकानेर, (निस्)। यहां ठगों ने किसान

के फसल का बीमा उठाने से पहले ही क्लेम ले लिया, यही नहीं किसान को यह भी मालूम नहीं चल पाया कि उसकी फसल पर ठगों ने इंश्योरेंस करवा रखा है। जब किसान ई-मित्र पर अपनी फसल का इंश्योरेंस कराने पहुंचा तो मामले का खुलासा हुआ। ई-मित्र संचालक ने बताया कि फसल का क्लेम तो पहले ही किसी और नाम से दिया जा चुका है। इसके बाद एक एक कर करीब 5 गांवों के 11 किसान सामने आए हैं, जिन्होंने थाने में अपनी शिकायत दी है।

लूणकरनसर के खोखराणा गांव के किसान बुधराम मेघवाल ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि इलाके में एक गिरोह बीमा क्लेम उठाने का काम कर रहा है। बुधराम की संयुक्त खातेदारी कृषि भूमि गांव खोखराणा में खसरा नंबर 430 में 6.8300 हेक्टेयर व खसरा नंबर 830 में 6.5800 हेक्टेयर है। दोनों खसरा में कुल 13.4000 हेक्टेयर जमीन है। इसमें उसका चौथाई हिस्सा है। शेष उसके तीन अन्य भाई मुखराम, श्रवण राम व मयाराम की है। रिपोर्ट में बताया कि बुधराम ने जुलाई 2025 में खरीफ की फसल काशत करने पर पी एमएफबी बाई योजना के तहत अपनी खरीफ की

- किसान को यह भी मालूम नहीं चला कि उसकी फसल पर ठगों ने इंश्योरेंस भी करा रखा है
- एफआईआर के मुताबिक खोखराणा, लालेरा, खियेरां, भादवा, खिलेरिया में भी कई लोगों के साथ इसी तरह की धोखाधड़ी हुई

फसल का बीमा करवाने के लिए गांव (खोखरणा) में स्थित ई-मित्र केंद्र पर सम्पर्क किया था। बुधराम ने बताया कि मेरे होश उड़ गए जब ई-मित्र संचालक ने बताया कि मेरे खेत में खरीफ की फसल ग्वार के लिए किसी देवीलाल पुत्र श्रीराम निवासी लालेरा ने फसल बीमा के लिए आवेदन किया था। इसमें खसरा नंबर इन्हीं भाइयों के खेत के थे, इसमें पॉलिसी नंबर भी दिए गए थे। संचालक ने बताया कि दोनों खसरों की जमीन का बीमा पहले ही करवाया जा चुका है। ई-मित्र संचालक ने ये भी कहा कि देवीलाल नाम से रबी की फसल का बीमा भी उनके खाते से ही उठाया गया था। तब 45 हजार रुपए दी सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड बीकानेर की शाखा लूणकरणसर के माध्यम से देवीलाल ने ले लिए है।

बुधराम ने आरोप लगाया है कि देवीलाल ने राजस्व विभाग के मिलीभगत कर कूटरचित दस्तावेजों पर सम्पर्क किया था। बुधराम ने बताया कि मेरे होश उड़ गए जब ई-मित्र संचालक ने बताया कि मेरे खेत में खरीफ की फसल ग्वार के लिए किसी देवीलाल पुत्र श्रीराम निवासी लालेरा ने फसल बीमा के लिए आवेदन किया था। इसमें खसरा नंबर इन्हीं भाइयों के खेत के थे, इसमें पॉलिसी नंबर भी दिए गए थे। संचालक ने बताया कि दोनों खसरों की जमीन का बीमा पहले ही करवाया जा चुका है। ई-मित्र संचालक ने ये भी कहा कि देवीलाल नाम से रबी की फसल का बीमा भी उनके खाते से ही उठाया गया था। तब 45 हजार रुपए दी सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड बीकानेर की शाखा लूणकरणसर के माध्यम से देवीलाल ने ले लिए है।

बुधराम ने आरोप लगाया है कि देवीलाल ने राजस्व विभाग के

धुधाड़ा-जोधपुर सड़क की गुणवत्ता में कई खामियां : पूर्व राज्यमंत्री पुखराज पाराशर

पुखराज पाराशर ने क्षतिग्रस्त सड़क की खामियां दूर कराने के लिये मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

- सड़क का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, मगर सड़क की गुणवत्ता को लेकर कई खामियां रही हैं

जालोर, (कासं)। जन अभाव

अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने मंगलवार को जालोर जिले के नरसाणा भंवराजी होते हुए धुंधाड़ा-जोधपुर सड़क निर्माण में सड़क की गुणवत्ता को लेकर कई खामियां होने को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है।

पूर्व राज्यमंत्री पुखराज पाराशर ने बताया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा जालोर जिले के नरसाणा, भंवराजी होते हुए धुंधाड़ा तक सड़क के चौड़ाईकरण एवं सौंदर्यकरण के लिए 56 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की थी। जिसका शिलान्यास 30 जून 2023 को किया गया था। सड़क की स्वीकृति जालोर जिले को जोधपुर से जोड़ने के लिए वैकल्पिक मार्ग उपयोग के लिए की गई थी। जिसका निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, मगर सड़क की गुणवत्ता को लेकर कई खामियां रही हैं, जिसे पूर्ण करने से जनहित में इसका लाभ मिलेगा।

पत्र में बताया कि बाला ग्राम से भोरड़ा ग्राम तक 3-4 किमी. सड़क का काम अधूरा है तथा घाणा नदी, घाणा गेलावास के बीच जो पुल बना हुआ है उसे मरम्मत की आवश्यकता है। अगर इसकी जगह नया व ऊँचा पुल बनाया जाए तो बारिश के दिनों में रास्ता नहीं रुकेगा। अभी भी बारिश के दिनों में कई दिनों तक आवागमन बंद रहा है। बिजली व घाणा ग्राम के बीच बांडी नहर पर स्थित छोटे पुल का स्लोप बहुत ही ऊँचा

है, जिससे गाड़ियों के आने-जाने में बहुत ही परेशानी हो रही है। अभी 3-4 माह पहले एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई थी।

पत्र में बताया कि जोधपुर जिले के धुंधाड़ा गांव से पहले जहां ये सड़क (नरसाणा धुंधाड़ा) समाप्त होती है, वहीं से सड़क क्षतिग्रस्त है। इसे दुरुस्त कराया जाना चाहिए। धुंधाड़ा से कांकाणी की ओर जाने वाली सड़क पर बड़े-बड़े स्पीड ब्रेकर बनाये हुए हैं। उसे कम करने की आवश्यकता है जिससे वाहनों को नुकसान नहीं होे। जालोर से रोहट सड़क (बीओटी) की खराब स्थिति को देखते हुए जोधपुर के लिए बनाये गये वैकल्पिक सड़क की उक्तानुसार खामियों को दूर करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को देने का श्रम करावे, ताकि जनता को इसका लाभ मिल सके।

पूर्व राज्यमंत्री पुखराज पाराशर ने बताया कि सरकार ने अपनी पलती को सुधारने का ढोंग रच कर एक स्वीकृति पत्र जारी कर श्रय लेने का तरीका ढूँढने

का असफल प्रयास किया है। जनता सब जानती है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान विधानसभा में 27 करोड़ की लागत से जालोरा जिले की सड़क निर्माण की घोषणा कर स्वीकृति जारी की थी। स्थानीय वन विभाग के प्रस्ताव अनुसार वन एवं पर्यावरण विभाग ने स्वीकृति दी। तत्पश्चात वित्तीय स्वीकृति जारी होकर निविदा आमंत्रित कर कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3 जून 2023 को शिलान्यास किया, तत्पश्चात् पैरुनाथ अखाड़े के महंत गंगानाथ महाराज के हाथों कार्य शुरू किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर,वन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे, तब कोई तकनीकी खामी नजर नहीं आयी। सरकार बदल गई, भाजपा की सरकार बनते ही उनकी आंख में ये ऐतिहासिक विकास कार्य खटकने लगा, तो उसी वन विभाग के अधिकारी से इसमें रोड़ा अटकाने का नाटक करवाया गया और काम रुकवा दिया गया, जिसकी उपस्थिति एवं प्रस्ताव से ये सड़क स्वीकृत हुई, दो साल का रुका रहा है। शायद सड़क निर्माण की लागत भी बढ़ गई होगी। जैसे ही भाजपा सरकार आने के बाद जालोर के मेडीकल कॉलेज को भी सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद भी रोक दिया गया। यहां तक कि शिलान्यास पट्टिकाओं को भी तोड़ दिया गया है।

विवाह सम्मेलन में 1 54 जोड़े बने हमसफर

सरवाड़, (निस्)। शहर में देशवाल्याियान समाज के तत्वावधान में रविवार को 12 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में 154 जोड़े हमसफर बने। कार्यक्रम शहर के किले के चौक स्थित मोहम्मदिया पब्लिक विद्यालय व दारुल उलुम के मैदान में जोड़ों की आमदशुरू की गई। वहीं सुबह सामूहिक निकाह की रस्म अदा की गई।

जौहर की नमाज के बाद सभी

जोड़ों को विदाई दी गई। इस दौरान बाहर से आने वाले जोड़ों के लिए आवास व पेयजल आपूर्ति एवम् सुरक्षा भोजन आदि सभी प्रकार की व्यवस्थाएं माकूल इंतजाम किए गए। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम ने शिरकत की। गौतम का माला व सांपा बंधवाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर गौतम ने संबोधित भी किया और जोड़ों को आशीर्वाद दिया।



पृथ्वी शॉ ने जड़ा रणजी ट्रॉफी का दूसरा सबसे तेज दोहरा शतक

चंडीगढ़ 27 अक्टूबर। राष्ट्रीय टीम में वापसी के प्रयास में लगे युवा भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने सोमवार को चंडीगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में धुआंधार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए ट्रान्ामेंट का दूसरा सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने का कारनामा किया है। पहली पारी में आउट रन बनाकर आउट हुये शॉ ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए चंडीगढ़ के गेंदबाजों पर शुरुआत से ही आक्रामक रुख अख्तियार किया और अपनी पहली 55 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 80 रन बना लिए थे। इसके बाद उन्होंने और तेजी से बढ़ोरेते हुए केवल 72 गेंद में अपना शतक पूरा किया। 17 चौकों की मदद से महाराष्ट्र के लिए उन्होंने



अपना पहला शतक जड़ा। इसके बाद भी शॉ ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 141 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया था जो रणजी ट्रॉफी में प्लेट ग्रुप के मैचों को छोड़ दिया जाए तो दूसरा सबसे तेज दोहरा शतक है। इससे पहले रवि शास्त्री ने केवल 123 गेंद में दोहरा शतक लगाया है। 200 से कम गेंदों में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो दोहरा शतक लगाने वाले शॉ केवल दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। वीरेंद्र सहवाग ने सबसे अधिक तीन बार भारत के लिए यह कारनामा किया है। शॉ 156 गेंदों में 29 चौके और पांच छक्कों की मदद से 222 रन बनाये। उन्हें 51वें ओवर में अर्जुन आजाद ने आउट किया।

लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत हाइलो ओपन में करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

सारबुकन (जर्मनी) , 27 अक्टूबर। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत मंगलवार से सारबुकन में सारलैंडहाले में शुरू होने वाले हाइलो ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे। टूर्नामेंट के पहले राउंड में लक्ष्य पांचवीं सीड और डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से भिड़ेंगे। 24 साल के भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भी पुरुष एकल ड्रा में शामिल होंगे। किदांबी श्रीकांत, जो मई में मलेशिया मास्टर्स ओपन चैंपियन आयुष शेठ्टी भी टूर्नामेंट में पुरुष एकल ड्रा का हिस्सा है। भारत की पृथ्वी कृष्णमूर्ति राय और साई प्रतीक की जोड़ी पुरुष युगल मुकाबले में खेलेंगी।

श्रेयस अरयर की पसलियों में चोट, सिडनी के अस्पताल में भर्ती



हो रहे हैं। बीसीसीआई का चिकित्सक दल सिडनी और भारत के विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ मिलकर अरयर की चोट पर लगातार नजर रखे हुए है। भारतीय टीम के डॉक्टर अरयर की प्लीहा में लकीरनुमा चोट आई है। उनका इलाज जारी है और वह धीरे-धीरे ठीक

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 19 रनों से हराया

चटगांव, 27 अक्टूबर। कप्तान शाई होप (नाबाद 46) और रोवमन पॉवेल (नाबाद 44) के बाद जेडेन सील्ड और जेसन होल्डर (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को 16 रनों से हरा दिया। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को शुरुआत अच्छी नहीं रही और 57 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा दिये थे। इसके बाद भी वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के गेंदबाज गणेश सुथार 46/3, मोहित चांगरा 78/4, चेतन शर्मा, दीपेंद्र, अनिरुद्ध सिंह 1-1 विकेट। राजस्थान पहली पारी बारिश के कारण दूसरे दिन तक पहुंचने वाले बल्लेबाजों में शामिल थे। इसके अलावा मुस्तफिजुर रहमान 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

चोट से उबर चुके टेम्बा बावुमा भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल

प्रिटोरिया, 27 अक्टूबर। टेम्बा बावुमा पिंडली की चोट से ठीक होने के बाद अगले महीने भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम में बतौर कप्तान शामिल किया गया है। बावुमा सितंबर में इंग्लैंड में चोट लगने के कारण पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टाइटल डिफेंस की शुरुआत में नहीं खेल पाए थे। वह इस हफ्ते पाकिस्तान में शुरू होने वाले किसी भी सफेद गेंद मैच में नहीं खेलेंगे, लेकिन टेस्ट टीम में शामिल होने से पहले बंगलुरु में इंडिया ए के खिलाफ प्रथम श्रेणी मैच में दक्षिण अफ्रीका ए टीम का हिस्सा होंगे। दक्षिण अफ्रीका के चयनकर्ताओं ने पाकिस्तान में ड्रा सीरीज खेलने वाली टीम में एकमात्र बल्लेबाजी में बदलाव करते हुए बावुमा को टीम में शामिल किया गया है। उन्हें मध्यम क्रम के बल्लेबाज डेविड बेडिंगम की जगह टीम में जगह दी गई है। बेडिंगम ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 15 टेस्ट खेले

हैं और एक शतक और चार अर्धशतक बनाए हैं, लेकिन बुलावायो ने पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले तीन स्पेशलिस्ट स्पिनरों केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरा मुथुसामी को टीम में बनाये रखा है। कगिसो रबाडा, कॉर्बिन बॉश और मार्क जानसेन तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। दो मैचों की सीरीज 14 दिसंबर को कोलकाता में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका भारत में तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच भी खेलेंगे।

भारत टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम इस प्रकार है: टेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्काराम, रयान रिक्टरन, ट्रिस्टन स्टक्स, काइल वेरिन, डेवाल्ड ब्रेविस, ज़ुबैर हमजा, टोनी डी जॉर्ज, कॉर्बिन बॉश, वियान मुंडर, मार्क जानसेन, केशव महाराज, सेनुरा मुथुसामी, कगिसो रबाडा और साइमन हार्मर।



एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में राजस्थान ने उत्तराखंड को 1-0 से हराया

जयपुर, 27 अक्टूबर। सब-जूनियर बालक वर्ग राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में आज राजस्थान का दूसरा मैच उत्तराखण्ड से खेला गया। कोच देवेन्द्र सिंह भाटी और अवकाश दायमा ने बताया कि दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर का मुकाबला रहा। दोनों टीमों ने लगातार गोल स्कोर करने के भरसक प्रयास किए परंतु मैच के मध्यंतर तक किसी भी टीम को गोल करने में सफलता प्राप्त नहीं हुई और मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा। मैच के दूसरे हाफ में राजस्थान टीम ने अपने परंपरागत अंदाज में आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल स्कोर के लिए आक्रमण और तेज कर दिए परंतु उत्तराखंड की रक्षापंक्ति ने राजस्थान टीम को मैच के 80 मिनट तक गोल करने का मौका नहीं दिया और अंततः मैच के 82 मिनट में राजस्थान टीम के जर्सी नंबर 18 अक्षित शर्मा ने जर्सी नंबर 11 में खेल रहे माधव चतुर्वेदी के लिए पास दिया और माधव चतुर्वेदी ने उत्तराखंड को गोलकीपर को छक्काते हुए बॉल को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। और राजस्थान को बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। और मैच समाप्ति तक राजस्थान टीम ने यह बढ़त बनाई रखी। राजस्थान ने माधव चतुर्वेदी को आज के मैच का प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया । सब जूनियर टूर्नामेंट लीग के फर्स्ट मैच में जम्मू कश्मीर और राजस्थान 4/4 से गोल से बराबर रहे थे अब लीग का आखिरी मैच तेलंगाना से 29 अक्टूबर को है ।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने एशियन गोल्ड विजेता खिलाड़ियों को दिया आशीर्वाद और सफलता का मंत्र



जयपुर, 27 अक्टूबर। बहरीन में आयोजित 3 यूथ एशियन गेम्स में भारत की कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस स्वर्णिम उपलब्धि में राजस्थान के पाँच खिलाड़ियों ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने अपने मेहनत, लगन और खेल भावना से देश का गौरव बढ़ाया।राजस्थान के इन युवा चैंपियनों को राज्य के खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (से.नि.) ने विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होंने खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप सभी ने अपने समर्पण और संघर्ष से न केवल राजस्थान बल्कि पूरे भारत का मान बढ़ाया है। खेल के प्रति आपका यह जज्बा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। बता दें कि भारत की गोल्ड मेडल विजेता टीम में राजस्थान के पाँच प्रतिभाशाली सचिन चौधरी (बालक वर्ग), सिरसी रोड जयपुर निवासी), कृष्ण (चूरू निवासी), लक्षिता गुर्जर (जयपुर निवासी), निकिता देवन्दन (राजावास चौमू निवासी) और अक्षिता देवन्दन (राजावास चौमू, जयपुर निवासी) थे। इन खिलाड़ियों ने मैदान पर अपने अद्भुत प्रदर्शन से भारत को स्वर्ण पदक दिलाया और राज्य का नाम पूरे एशिया में रोशन किया।

कर्नल राठौड़ ने खिलाड़ियों से की आत्मीय बातचीत - खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों से करीब 30 मिनट तक आत्मीय संवाद किया।उन्होंने उनके खेल जीवन, संघर्षों और मेहनत की यात्रा को विस्तार से जाना। मंत्री ने खिलाड़ियों को आगे भी निरंतर अभ्यास और अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारत को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का बोड़ा अब आप जैसे युवा खिलाड़ियों के कंधों पर है।

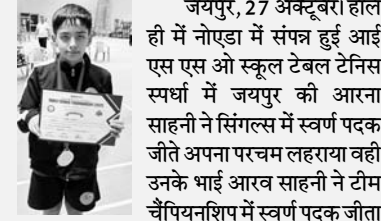
चोटिल प्रतिका रावल महिला विश्व कप से हुई बाहर

नवी मुम्बई, 27 अक्टूबर। सेमीफाइनल से पहले भारतीय महिला टीम को लगा झटका, सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल टूर्नामेंट के आखिरी लीग मैच में बंगलादेश के खिलाफ चोटिल होने के बाद महिला विश्व कप 2025 से बाहर हो गई हैं। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को बारिश से प्रभावित मैच में बाउंड्री रोप के पास क्षेत्ररक्षण करते समय रावल फिसल कर गिरने के बाद चोटिल हो गई थी। उन्हें टीम के सपोर्ट स्टाफ की मैदान से बाहर ले जाया गया था। मैच रद्द होने के बाद 25 वर्षीय का रावल का स्कैन हुआ था। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले भारत के लिए यह एक बड़ा झटका है। रावल ने दिसंबर 2024 में भारतीय टीम में वापस किया था। उन्होंने पिछले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ उसी जगह पर अपना पहला वर्ल्ड कप शतक बनाया था। इस दौरान, वह महिला वनडे में 1000 रन बनाने वाली संयुक्त रूप से सबसे तेज खिलाड़ी भी बन गईं और एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बनने की कगार पर थीं।

आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर ने पिकेश और आशीष को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए अधिकृत किया

जयपुर, 27 अक्टूबर। डीडी कुमावत, संयोजक, तदर्थ समिति आरसीए ने बताया कि मेरे संज्ञान में आया है कि हाल ही में हुई एक घटना के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की जा रही है, जिसमें एक फर्जी ईमेल आईडी और आरसीए लेटरहेड का अनधिकृत उपयोग शामिल है। मैं इस कार्रवाई का पूर्ण समर्थन करता हूँ और इस मामले में एडहॉक कमेटी सदस्यों के साथ हूँ। कुमावत ने कहा कि उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए पिकेश पोरवाल और आशीष तिवारीको प्राथमिकी दर्ज करने और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई करने के लिए अधिकृत किया गया है।

जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के खिलाड़ी आरना व आरव साहनी ने जीते स्वर्ण पदक



जयपुर, 27 अक्टूबर। हाल ही में नोएडा में संघर्ष हुई आई एस एस ओ स्कूल टेबल टेनिस स्पर्धा में जयपुर की आरना साहनी ने सिंगल्स में स्वर्ण पदक जीते अपना परचम लहराया वहीं उनके भाई आरव साहनी ने टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता परंतु सिंगल्स में उन्हें कांसय पदक से संतोष करना पड़ा। आरना और आरव साहनी अपने आयु वर्ग में राजस्थान में प्रथम रैंक पर भी हैं। आने वाली इंटरनेशनल स्कूल प्रतियोगिता में आरना साहनी का चयन भारत से हुआ है जो वर्ल्ड स्कूल गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राजस्थान वुशू टीम श्रीनगर के लिए रवाना हुई

जयपुर, 27 अक्टूबर। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 28 अक्टूबर से 1 नवंबर 2025 तक श्रीनगर, जम्मू कश्मीर में आयोजित होने वाली 69वी स्कूल नेशनल अंडर-17 (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान वुशू टीम श्रीनगर के लिए रवाना हुई। हीराचंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि दल प्रभारी कमलेश कुमार व कोच ललित कुमार के नेतृत्व में टीम भाग लेंगी। अध्यक्ष के अनुसार प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम इस प्रकार है:-
बालिका वर्ग :- 45 किलोग्राम भारवर्ग में गायत्री पुनिया, 48 किलोग्राम भारवर्ग में किस्मत, 52 किलोग्राम भारवर्ग में इशिता चौधरी, 56 किलोग्राम भारवर्ग में नोजल, 60 किलोग्राम भारवर्ग में हिमानी, 65 किलोग्राम भारवर्ग अलमास, 70 किलोग्राम भार वर्ग रिया मिश्रा।
बालक वर्ग :- 45 किलोग्राम भारवर्ग में खुशदीप, 48 किलोग्राम भारवर्ग में लक्षित, 52 किलोग्राम भारवर्ग में देवांश, 56 किलोग्राम भारवर्ग में मनीष, 60 किलोग्राम भारवर्ग में आदित्य सिंह राजपुरोहित, 65 किलोग्राम भारवर्ग में रेवत राम, 70 किलोग्राम भारवर्ग में मानवेंद्र सिंह, 75 किलोग्राम भारवर्ग में अंशुभन, 80 किलोग्राम भारवर्ग में प्रिंस शर्मा, टीम कोच ललित कुमार, टीम मैनेजर राम अवतार को बनाया गया है।

राजस्थान-जम्मू एंड कश्मीर रणजी मैच रणजी ट्रॉफी में जम्मू कश्मीर के आकिब नबी ने मैच में 10 विकेट लेकर राजस्थान के खिलाफ टीम को जीत दिलाई

जयपुर, 27 अक्टूबर। रणजी ट्रॉफी में जम्मू कश्मीर के आकिब नबी ने मैच में 10 विकेट लेकर राजस्थान के खिलाफ टीम को जीत दिला दी। वहीं महाराष्ट्र के पृथ्वी शॉ ने चंडीगढ़ के खिलाफ दोहरा शतक लगा दिया। सर्विसेज ने इतिहास रचते हुए एलिट ग्रुप- के मैच में असम को 8 विकेट से हरा दिया। यह रणजी इतिहास में ओवर के मामले में सबसे छोटा मैच रहा।

आकिब नबी के 10 विकेट से जीता जम्मू-कश्मीर आकिब नबी ने राजस्थान के खिलाफ 10 विकेट लेकर जम्मू कश्मीर को पारी और 41 रन से जीत दिला दी। श्रीनगर में खेले जा रहे मैच में राजस्थान ने पहली इनिंग में 152 रन बनाए। टीम से कोई भी प्लेयर फिफ्टी तक नहीं लगा सका। कप्तान महिपाल



लोमरोर ने नाबाद 37 रन बनाए। जम्मू-कश्मीर ने अपनी पहली पारी में 282 रन बनाए। टीम से अब्दुल समद और आकिब नबी ने फिफ्टी लगाई। समद 76 और नबी ने 55 रन की पारी खेली। युद्धवीर सिंह ने तेजी से 37 बॉल पर

आरसीए में फर्जी ई-मेल विवाद गहराया

एडहॉक कमेटी के चार सदस्यों ने लिया जायजा, रिपोर्ट दर्ज कराएंगे, चयन समिति पर विवाद जारी



आप कह रहे हैं, उन्हीं का मामला हो। **बीसीसीआई को धेजे ई-मेल से काले कारनामों का खुलासा करने का किया था दावा** कुछ समय पहले एक ईमेल आईडी से बीसीसीआई को ई-मेल भेजा गया था। इसमें काले कारनामों का खुलासा करने

का दावा किया गया था। इस ईमेल ने आरसीए प्रशासन और एडहॉक कमेटी में खलबली मचा दी थी। इसके बाद संदिग्ध कंप्यूटर को कर्नलस हॉल में रखवाया गया और ऑफिस सील कर दिया गया था। हालांकि बाद में ऑफिस खुलने पर पता चला कि कंप्यूटर को नुकसान पहुंचाने का

राजस्थान के जंगजीत सिंह काजला ने भारत को कांस्य मेडल दिलाकर इतिहास रचा

अन्वी राठौड़ का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 27 अक्टूबर। चाईना के चेंडगू यूनिवर्सिटी कैम्पस में एशियन जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 21 से 26 अक्टूबर तक आयोजित हुई, जिसमें मिश्रित युगल अंडर-17 में राजस्थान के जंगजीत सिंह काजला ने जे. रमेश के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ब्रान्च मेडल हासिल किया।

जंगजीत सिंह काजला और जे. रमेश की जोड़ी ने अपना पहला मुकाबला जापान की आई मत्सुषिता एवं के मत्सुषिता की जोड़ी से 21-15, 21-17 से जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया जहां उनका मुकाबला थाईलैण्ड की जोड़ी पी. लाओलापा एवं एन. बूनसुमुथ के साथ हुआ



ग्रांडंड है। जिन पर पुरुष वर्ग में 104 एवं महिला वर्ग में 62 मैच खेले जायेंगे। प्रतियोगिता के दौरान ही आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के राज्य पुरुष एवं महिला टीमों के लिए 30-30 संभावितों का भी चयन राज्य हैडबॉल संघ द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा। राज्य हैडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल ने बताया कि प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ पुरुष एवं महिला खिलाड़ी को स्व. हनुमान सिंह स्मृति में राज्य हैडबॉल संघ द्वारा नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

पुरुष एवं महिला वर्ग की टीमों को 8-8 पूल में बाँटा गया है

पुरुष वर्ग:- पूल ए:- श्रीगंगानगर, सिरौही, आर पी भादू अकेडमी सूरतगढ़,

उदयपुर एवं बाड़मेरा **पूल बी:-** राजस्थान पुलिस, ज्ञान ज्योति हैडबॉल अकादमी, बीकानेर, बंसवाड़ा एवं झुंझु। **पूल सी:-** अजमेर, जय भवानी हैडबॉल अकादमी श्रीगंगानगर, महाराणा प्रताप हैडबॉल अकादमी चित्तौड़गढ़, भोम सिंह हैडबॉल अकादमी एवं सवाईमाधोपुर। **पूल डी:-** जयपुर, चुरू, टोंक, नागौर एवं दुलामना हैडबॉल अकादमी हनुमानगढ़। **पूल ई:-** इम्पेरेशन अकैडमी जोधपुर, अलादमी जैसलमेर, सीकर, करौली एवं जालोरा **पूल एफ:-** बारो, डूंगरपुर, कृपा बाबा हैडबॉल अकादमी करौली, माही हैडबॉल अकादमी एवं कोटा। **पूल जी:-** बूंदी, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, जोधपुर एवं जैसलमेरा **पूल एच :-** अलवर, हनुमानगढ़, जयपुर हैडबॉल अकादमी, धौलपुर, दौसा एवं भरतपुर।

महिला वर्ग:-**पूल ए:-** जयपुर, जोधपुर, माही हैडबॉल अकादमी एवं डूंगरपुर। **पूल बी:-** राजस्थान पुलिस, अजमेर, जय भवानी हैडबॉल अकादमी, बारो एवं भोम सिंह हैडबॉल अकादमी। **पूल सी:-** श्रीगंगानगर, टोंक, बॉसवाड़ा एवं जालोरा। **पूल डी:-** इम्पेरेशन अकैडमी जोधपुर, चुरू, बीकानेर एवं सिरौही। **पूल ई:-** जय भवानी हैडबॉल अकादमी श्रीगंगानगर, महाराणा प्रताप हैडबॉल अकादमी चित्तौड़गढ़ करौली एवं भीलवाड़ा। **पूल एफ:-** हनुमानगढ़, अलवर, उदयपुर एवं कोटा। **पूल जी:-** अकादमी जयपुर, सवाई माधोपुर, अजमेर एवं नागौर। **पूल एच :-** कृपा बाबा हैडबॉल अकादमी करौली, झुंझु एवं बाड़मेरा।

भारत के अगले सीजेआई होंगे, जस्टिस सूर्यकांत

सीजेआई गवई ने जस्टिस सूर्यकांत से मुलाकात कर अपना रिकमंडेशन लैटर साँपा

–जाल खंबाता –

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, जो 24 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को भारत के 5३वें मुख्य न्यायाधीश के पद पर अपने उत्तराधिकारी के रूप में सिफारिश की।

सरकार ने पिछले सप्ताह मुख्य न्यायाधीश गवई को एक पत्र लिखकर उनके उत्तराधिकारी के रूप में किसी नाम की सिफारिश करने को कहा था। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश गवई इस समय भूटान दौरे पर थे। गवई ने अपने वापसी के तुरंत बाद सोमवार (27 अक्टूबर, 2025 को (सीफारिश) को सिफारिश पत्र के साथ न्यायमूर्ति सूर्यकांत से मुलाकात की, यह दिन दिवाली की छुट्टियों के बाद सुप्रीम कोर्ट का पहला काम दिवस था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट के कई महत्वपूर्ण फैसलों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें संविधान के अनुच्छेद 37० का निरस्त करना, जिसने जम्मू और कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिया

रूस ने दुनिया की पहली न्यूक्लियर पावर्ड मिसाइल का सफल टेस्ट किया

माँस्को, 27 अक्टूबर। रूस ने दुनिया की पहली न्यूक्लियर पावर्ड, यानी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली कूज मिसाइल बुरेवस्तनिक–9एम7३9 का सफल परीक्षण किया है। रूस ने दावा किया है कि यह मिसाइल अनलिमिटेड रेंज वाली है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि इसके सभी टेस्ट पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी मिसाइल दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है। पहले कई

पुतिन ने कहा, इसकी अनलिमिटेड रेंज है, इसे कोई डिफेंस सिस्टम नहीं रोक सकता।

एक्सपर्ट यकीन नहीं करते थे कि ऐसा हथियार भी बन सकता है, लेकिन यह हकीकत बन चुका है।

रूसी सेना के प्रमुख व्लाैरी गेरैसिमोव ने बताया कि मिसाइल का सफल टेस्ट 21 अक्टूबर को किया गया। इस टेस्ट में बुरेवस्तनिक ने करीब 15 घंटे तक उड़ान भरी। इस दौरान मिसाइल ने 14 हजार किलोमीटर की दूरी तय की। गेरैसिमोव ने यह भी बतायाकि यह मिसाइलत की अधिकतम रेंज नहीं है, यह इससे अधिक दूरी भी तय कर सकती है।

आखिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियान के समापन से कुछ दिन पहले एक जोरदार प्रचार करेंगे। संकेत मिल रहे हैं कि राहुल 2 नवम्बर को बिहार पहुंचेंगे और पहले चरण में खगड़िया और सीमांचल क्षेत्र के अन्य स्थानों पर रैलियों का संबोधित करेंगे। हालाँकि, सवाल यह भी है कि कांग्रेस के लिए यह बहुत देर से की गई कोशिश तो साबित नहीं होगी?

शोष भाजपा नेताओं में नरेन्द्र मोदी, अनिता शाह और योगी आदित्यनाथ पहले ही प्रचार में जुट चुके हैं, और यहां तक कि जेडीयू नेता और वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो कथित तौर पर बीमार हैं, भी दर्जनों सभाओं को संबोधित कर चुके हैं, जैसे कि आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने किया है। जेएसपी नेता प्रशांत किशोर भी लगातार प्रचार दौरे पर हैं। इस बीच, राहुल गांधी को पुरानी दिल्ली की गलियों में ‘इनमार्टिस (हस्तशिल्प) तैयार करते हुए देखा गया है।

कांग्रेस ने 2024 लोकसभा चुनावों में बिहार की तीन सीटों पर जीत हासिल की थी, जिनमें से दो सीटें सीमांचल क्षेत्र में हैं, जो पश्चिम बंगाल सीमा के पास स्थित हैं, और जहां मतदान दूसरे चरण में 11 नवम्बर को होना है। 2020 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 7० सीटों पर चुनाव जीता था तथा 19 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अगर कांग्रेस इन आंकड़ों में सुधार करना चाहती है, तो चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंकनी होगी। समय की कमी को देखते हुए, यह देखना होगा कि राहुल गांधी वह ऊर्जा और जादू दोबारा उत्पन्न कर पाते हैं कि नहीं, जो उन्होंने वोट आकर्षण यात्रा के दौरान पैदा किया था।

- जस्टिस गवई जो 24 नवम्बर को रिटायर हो रहे हैं, से केन्द्र सरकार ने अपने उत्तराधिकारी के नाम की अनुशंसा करने को कहा था।
- मूलतः हरियाणा के जस्टिस सूर्यकांत कई महत्वपूर्ण फैसलों का हिस्सा रहे हैं, जैसे धारा 370 हटाना, इलैक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक ठहराना, स्पायवेयर पैगसस केस और राजद्रोह कानून को रद्द करना आदि।

था, शामिल है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत उस बेंच का भी हिस्सा थे, जिसने चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक उहराया था। वह पेगसस स्पाइवेयर मामले और देशद्रोह कानून के लिलंबन वाली बेंच का भी हिस्सा थे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत का जन्म 1० फरवरी 1962 को हरियाणा के हिसार में हुआ था। अपने गृह नगर से स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 1984 में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से कानून में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने अपनी कानूनी प्रैक्टिस की शुरुआत हिसार जिला अदालत से की और 1985 में पंजाब और हरियाणा उच्च

आसियान सम्मेलन में रूबियो के अलावा कई नेताओं से भी मिले जयशंकर

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर। भारत–आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कुआलालंपुर गए विदेश मंत्री डा.एस जयशंकर ने सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो और कई अन्य देशों के नेताओं के साथ मुलाकात की और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की। डा. जयशंकर ने इन नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात की।

रूबियो से मिलने के बाद उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उनके बीच द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बात हुई। उन्होंने कहा , “आज सुबह कुआलालंपुर में मार्क रूबियो से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ–साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा की।” विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ा देने और एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद–प्रशांत क्षेत्र को विकसित करने के बारे में बात की।

अमेरिका के विदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

माँस्को के साथ अपने संबंधों को लेकर नई दिल्ली पर दबाव बनाने में कोई संकोच नहीं किया है। रूस पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों में शामिल होने से भारत का इनकार वांशिंग्टन को लगातार परेशान कर रहा है। इसलिए, रूबियो की यह नरम पहल यह स्वीकारोक्ति भी है कि दबाव की एक सीमा होती है, और अनुनय–विनय तब ज्यादा कारण होती, जब भारत को अमेरिकी रणनीतिक दायरे में बनाए रखना लक्ष्य हो।

नई दिल्ली के दृष्टिकोण से, इस बैठक ने दोहरा उद्देश्य भी पूरा किया। दूसरे वांशिंग्टन को याद दिलाया कि भारत के साथ साझेदारी स्वतः नहीं होती, इसे भारत की आर्थिक प्राथमिकताओं और रणनीतिक स्वायत्तता के सम्मान के माध्यम से

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) के लिए सितंबर महीने में 1.51 करोड़ उपभोक्ताओं ने आवेदन किया।

संचार मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि कुल 1.51 करोड़ उपभोक्ताओं में से जेोन–1 (उत्तर एवं पश्चिम भारत) के 84.5 लाख और जेोन–2 (दक्षिण एवं पूर्वी भारत) के 66.8 लाख उपभोक्ता शामिल हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश सर्किल से सबसे अधिक 2०.8 लाख उपभोक्ताओं ने एमएनपी के लिए आवेदन किया। दूसरे स्थान पर 14.5 लाख के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश सर्किल का स्थान रहा। सितंबर में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या अगस्त की तुलना में ०.61 प्रतिशत बढ़ कर 99.56 लाख पर पहुंच गयी। इसमें 93.89 लाख मोबाइल ब्रॉडबैंड सबस्क्राइबर थे। सबसे अधिक 50.55 लाख ब्रॉडबैंड सबस्क्राइबर रिलायंस जियो के थे। भारती एयरटेल 31.04 लाख के साथ दूसरे और वोडाफोन आइडिया 12.78 लाख के रूप में तीसरे स्थान पर रहा। मंत्रालय के अनुसार, सितंबर में रिलायंस जियो के मोबाइल सबस्क्राइबर ०.68 प्रतिशत, बीएसएनएल के ०.57 प्रतिशत और भारती एयरटेल के ०.11 प्रतिशत बढ़े। वोडाफोन आइडिया के सबस्क्राइबरों की संख्या 0.37 प्रतिशत घट गयी।

न्यायालय में वकालत शुरू करने के लिए चंडीगढ़ चले गए। वह 7 जुलाई, 2000 को हरियाणा के सबसे कम उम्र के महाधिवक्ता बने और मार्च 2०01 में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किए गए। 9 जनवरी, 2०04 को उन्हें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया। अक्टूबर 2018 में उन्हें हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया।

उन्हें 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 9 फरवरी, 2027 तक रहेगा।

■ इनमें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, वियतनाम आदि देशों के राष्ट्र प्रमुख शामिल थे

उन्होंने मलेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन से भी मुलाकात की। द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा के साथ–साथ म्यांमार की स्थिति पर विचारों का आदान–प्रदान किया।

डा. जयशंकर आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री रेंथनी अल्बानीज से भी मिले। उन्होंने जापान के विदेश मंत्री मोटेगी तोशिमित्सु से मिलकर द्विपक्षीय संबंधों पर व्यापक चर्चा की। दोनों के बीच सहयोग के अगले दशक के लिए संयुक्त दृष्टिकोण को लागू करने के बारे में मिलकर काम करने पर सहमति हुई। उन्होंने वैश्विक स्थिति और हिंद–प्रशांत सहयोग पर भी

सितम्बर में 1.51 करोड़ उपभोक्ताओं ने किया मोबाइल नंबर बदलने का आवेदन

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) के लिए सितंबर महीने में 1.51 करोड़ उपभोक्ताओं ने आवेदन किया।

संचार मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि कुल 1.51 करोड़ उपभोक्ताओं में से जेोन–1 (उत्तर एवं पश्चिम भारत) के 84.5 लाख और जेोन–2 (दक्षिण एवं पूर्वी भारत) के 66.8 लाख उपभोक्ता शामिल हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश सर्किल से सबसे अधिक 2०.8 लाख उपभोक्ताओं ने एमएनपी के लिए आवेदन किया। दूसरे स्थान पर 14.5 लाख के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश सर्किल का स्थान रहा। सितंबर में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या अगस्त की तुलना में ०.61 प्रतिशत बढ़ कर 99.56 लाख पर पहुंच गयी। इसमें 93.89 लाख मोबाइल ब्रॉडबैंड सबस्क्राइबर थे। सबसे अधिक 50.55 लाख ब्रॉडबैंड सबस्क्राइबर रिलायंस जियो के थे। भारती एयरटेल 31.04 लाख के साथ दूसरे और वोडाफोन आइडिया 12.78 लाख के रूप में तीसरे स्थान पर रहा। मंत्रालय के अनुसार, सितंबर में रिलायंस जियो के मोबाइल सबस्क्राइबर ०.68 प्रतिशत, बीएसएनएल के ०.57 प्रतिशत और भारती एयरटेल के ०.11 प्रतिशत बढ़े। वोडाफोन आइडिया के सबस्क्राइबरों की संख्या 0.37 प्रतिशत घट गयी।

सीजेआई गवई पर जूता फेंकने वाले के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई नहीं

विचारों का आदान–प्रदान किया। डा. जयशंकर ने वियतनाम के विदेश मंत्री ले होई टुंग के साथ भी बैठक की। उन्होंने कहा कि इस दौरान रणनीतिक साझेदारी और द्विपक्षीय आर्थिक संबंध को और गहरा करने पर चर्चा हुई।

स्वदेशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है, जो मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएफडीआर) प्लेटफ़ॉर्म के रूप में और आपात स्थिति में अस्पताल जहाज के रूप में कार्य करने में सक्षम है। इश्क महिलाओं के लिए विशेष रूप से बनाये गये आवास की सुविधा वाला पहला एसबीएल जहाज भी है जो भविष्य के लिए तैयार बड़े के प्रति भारतीय नौसेना के समवेशी और प्रगतिशील दृष्टिकोण को दर्शाता है।

पुणे में पकड़ा गया संदिग्ध आतंकी

पुणे, 27 अक्टूबर। महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने सोमवार को पुणे में कई जगहों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में एटीएस ने 28 वर्षीय जुबेर हंगरीकर को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई कोंड वा इलाके में की गई। यह कार्रवाई आतंकवादी गतिविधियों में मदद करने के संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ की गई है। हंगरीकर को 4 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। एटीएस ने 9 अक्टूबर को पुणे में आतंकवाद से जुड़े एक मामले में कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस तलाशी अभियान में कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, दस्तावेज और साहित्य जब्त किए गए थे। जाँच के दौरान सामने आई आपत्तिजनक सामग्री के आधार पर, 2008 में

दूसरे चरण की एसआईआर कवायद आज से शुरू

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी समेत 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात स्पेशल इन्टेंसिव रिविजन (एसआईआर) का काम मंगलवार से शुरू करने की घोषणा की है जो सात फरवरी तक संपन्न कर लिया जायेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को यहां एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में एसआईआर के दूसरे चरण के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए विश्वास जताया कि इस संवैधानिक कार्य में आयोग को सभी राज्यों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में दूसरे चरण में एसआईआर कराया जाना है, उनमें अंडमान–निकोबार, चंडीगढ़ , गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इन राज्यों की मतदाता सूचियों में आज आधी रात के बाद तब तक कोई बदलाव नहीं किया जायेगा जब तक कि एसआईआर का काम संपन्न नहीं हो जाता। इसके साथ ही इस कार्य से जुड़े अधिकारियों–कर्मचारियों के

सीजेआई गवई पर जूता फेंकने वाले के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वकील राकेश किशोर के खिलाफ चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई के

■ सुप्रीम कोर्ट ने जूता फेंकने क आरोपी राकेश किशोर के खिलाफ अपराधिक अवमानना की कार्यवाही से इन्कार कर दिया, क्योंकि सीजेआई गवई ने राकेश किशोर को माफ कर दिया है।

खिलाफ अभद्र व्यवहार के मामले में अपराधी अवमानना की कार्रवाई शुरू करने से इनकार कर दिया।

तलाशी के दौरान एटीएस को आपत्तिजनक साहित्य, इलैक्ट्रॉनिक उपकरण एवं दस्तावेज मिले।

संशोधित गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद, एटीएस ने जुबेर हंगरीकर को गिरफ्तार कर लिया। मामले की आगे की जाँच महाराष्ट्र एटीएस द्वारा की जा रही है। इससे पहले, पुलिस ने दिल्ली में

- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसआईआर प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी और कहा अगर किसी मतदाता को दो जगह नाम होने पर दो फॉर्म मिल जाते हैं तो बेहतर होगा वह एक ही फॉर्म जमा करवाएं, वरना उसके कृप्य का अपराध माना जाएगा।

- दूसरे चरण में राजस्थान में भी एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी। इसके अलावा मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, केरल, प.बंगाल, तमिलनाडु, गोवा के साथ 4 केन्द्र शासित प्रदेशों में भी एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी।

तबादले आयोग की अनुमति से ही किये जा सकेंगे।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार एसआईआर के दूसरे चरण में तीन नवंबर तक फार्मों की छपाई और कर्मचारियों का प्रशिक्षण होगा, चार नवंबर से चार दिसंबर तक बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ), प्रशासन के वॉलंटियर और राजनीतिक दलों के एजेंटों के माध्यम से घर–घर जाकर छपे हुए निर्वाचक गणना फार्मों का वितरण और उन्हें वापस एकत्रकर मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास जमा करवाने की प्रक्रिया चलेगी।

कार्यक्रम के अनुसार गणना फार्मों की प्राप्ति के आधार पर संबंधित राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों की नयी मतदाता सूची का मसौदा नौ दिसंबर को प्रकाशित कर दिया जायेगा और उसी दिन से आठ जनवरी 2026 तक उन पर दावे और

आपत्तियां प्राप्त की जायेंगी। नौ से 31 जनवरी तक नोटिस और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जायेगी और पक्की मतदाता सूची सात फरवरी को जारी कर दी जायेगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने एसआईआर के पहले चरण में पूरे उत्साह से भाग लेने के लिए बिहार की साढ़े सात करोड़ मतदाताओं की पूर्ण भागीदारी को लेकर उनके प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि बिहार की पक्की सूची पर दावे और आपत्तियां शून्य के बराबर हैं, जो दर्शाती है कि राज्य की मतदाता सूची अधिकतम रूप से शुद्ध है। उन्होंने इन राज्यों के मतदाताओं को कानून के अनुसार केवल एक ही मतदाता गणना फॉर्म जमा कराने की सलाह दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि बिहार की ही तरह एसआईआर के दूसरे

स्ट्रीट डॉग्स के केस में सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यों को फटकार लगाई

सुप्रीम कोर्ट ने प.बंगाल व तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को हलफनामा दाखिल न करने पर तलब किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम ने ही कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल किया है। अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के अलावा, बाकी राज्यों और केन्द्र शासित राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को 3 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया।(22 अगस्त को, कोर्ट ने राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल करने का

■ इन सभी राज्यों को स्ट्रीट डॉग्स पर 22 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट देनी थी।

निर्देश दिया था। आज, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस सदीप मेहता और जस्टिस एनबी अंजारिया की बेंच ने नोट किया कि केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम ने ही कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल किया है।

मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि कोर्ट ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित राज्यों को नोटिस जारी किया था और आदेश की बड़े पैमाने पर रीपॉर्टिंग भी हुई थी। जस्टिस नाथ ने कहा, "लगातार घटनाएं

चरण में भी 2002 से लेकर 2004 के बीच में करारी गयी पिछली एसआईआर के बाद तैयार सूचियों को मिलान का आधार बनाया जायेगा। इन राज्यों और क्षेत्रों की वर्तमान सूचियों के मिलान का कार्य इनके मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) ने कर लिया है।

बिहार में एसआईआर के राजनीतिक विरोध के बारे में एक सवाल पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि वह ऐसा नहीं मानते कि वहां राजनीतिक दलों का विरोध था। राज्यों में 12 राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के 1.०6 लाख बूथ स्तरीय एजेंटों ने बूथ स्तरीय अधिकारियों के साथ बढ़ –चढ़ कर सहयोग किया। सभी जिला अध्यक्षों ने भी इस कार्य में पूरा सहयोग दिया और चुनाव से पहले आयोग के दौरे में इन दलों ने नेताओं ने एसआईआर की सराहना की।

‘ अगर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
 चुनाव प्रचार के लिए आया है, इस उम्मीद में कि उन्हें बड़ी सफलता मिलेगी। लेकिन मोदी की सत्ता के चरम पर भाजपा अपने किसी खास को मुख्ममंत्री नहीं बना पाई है।

लेकिन पार्टी उम्मीद में जी रही है !!!

स्ट्रीट डॉग्स के केस में सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यों को फटकार लगाई

सुप्रीम कोर्ट ने प.बंगाल व तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को हलफनामा दाखिल न करने पर तलब किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम ने ही कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल किया है। अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के अलावा, बाकी राज्यों और केन्द्र शासित राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को 3 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया।(22 अगस्त को, कोर्ट ने राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल करने का

भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
 अब तक दोनों देशों के बीच पाँच दौर का वार्ताएं हो चुकी हैं, ताकि मतभेद दूर कर एक “क्रैमवर्क एग्रीमेंट” (रूपरेखा समझौता) तैयार किया जा सके। लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, क्योंकि दोनों देशों के विचार कई मुद्दों पर अलग–अलग थे, विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में बाजार तक पहुंच को लेकर।

जहाँ अमेरिका ने अपने कृषि उत्पादों के लिए अधिक पहुंच की माँग की थी, वहीं भारत ने भारतीय किसानों, खासकर छोटे किसानों, की चिंता के कारण अमेरिकी अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया। इसके अलावा, दवाओं और कई अन्य मुद्दों पर भी मतभेद बने रहे।

भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता के सकारात्मक घटनाक्रमों की जानकारी मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कलकत्ता में भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स ने आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि सभी अड़चनें दूर हो गई हैं लेकिन समझौते में रुकावट डालने वाले कुछ नए मुद्दे भी हैं। इस बीच, अमेरिका और चीन ने भी कश्चित रूप से अपने व्यापार विवादों को सुलझा लिया है और वे परस्पर व्यापार के लिए एक रूपरेखा समझौते पर पहुँचने के करीब हैं। ट्रंप ने चीनी निर्यात पर भी शुल्क लगाए थे, लेकिन वे इन्हें लागू करने में बार–बार पीछे हटते रहे और कभी नरम तो कभी सख्त रुख अपनाते रहे। दरअसल वे चीन की संभावित जवाबी कार्रवाइ से डर रहे थे। चीन के पास अमेरिका के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ा हथियार था, “दुर्लभ खनिज” का वैश्विक बाजार, जिस पर उसका नियंत्रण है। ये खनिज रक्षा वस्तुओं से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामानों तक, हर क्षेत्र में अत्यंत आवश्यक हैं। चीन ने अमेरिका को इन खनिजों की सभी शिपमेंट रोकने की धमकी दी थी, जिसके बाद अमेरिका को पीछे हटना पड़ा।

‘एसआईआर लागू करने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए’

- जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह ने कहा कि बिहार के नतीजे आने के बाद ही एसआईआर का दूसरा चरण शुक्र होना चाहिए।

को जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए क्योंकि तब ऐसा लगेगा कि आयोग अपनी स्वतंत्रता खो रहा है और किसी राजनीतिक दल के दबाव में काम कर रहा है।’ अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 37० के निरस्त होने के बाद विधानसभा क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण का हवाला देते हुए आरोप लगाया, “हमने पहले ही देखा है कि जम्मू–कश्मीर में परिसीमन यहाँ के लोगों के लाभ के लिए नहीं किया गया था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स , राष्ट्रदूत भवन, चूंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65०15/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर।
फोन: 2372634, 41०3333–34 फैक्स : ०141–2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा।
फोन: 2386०31, 2386०32,फैक्स:०744–2386०33, उदयपुर कार्यालय: आराध मैन रोड आयड, उदयपुर।
फोन: 2413०92, फैक्स : ०294–241०146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर।
फोन: 220०66०, फैक्स ०151–2527371, जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालौर।
फोन: 226422, 226423, फैक्स: ०2973–226424
हिण्डोनीसिटी कार्यालय :- जी -1–2०1, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डोनीसिटी।
फोन: 23०2०0, 23०4०0, फैक्स: ०7469–23०6०0
चूरू कार्यालय : एच–15०, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 2569०6, 2569०7, फैक्स: ०1562–2569०8

⊕